डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 158 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 18 मई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

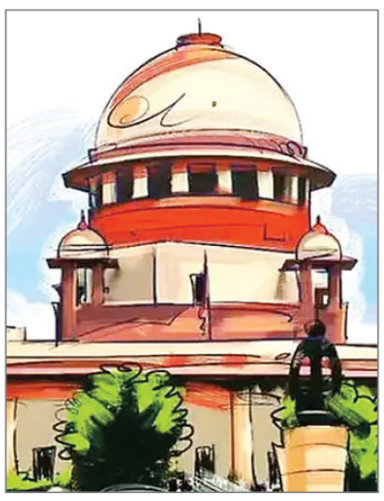

काटे गए जंगलों को बहाल करो या 'जेल' जाओ

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगर गाचीबोवली के वन क्षेत्र को दो महीने में पहले जैसा नहीं किया गया तो मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को जेल भेजा जाएगा। यह वन क्षेत्र हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पास है। इसे एक आईटी सेंटर बनाने के लिए समतल कर दिया गया था। कोर्ट इस मामले को लेकर सख्त है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने तेलंगाना सरकार के वकील एएम सिंघवी से पूछा कि क्या पेड़ काटने से पहले कोई वन विभाग से अनुमति ली गई थी। सिंघवी कोर्ट को यह

समझाने की कोशिश कर रहे थे कि जंगलों को बचाते हुए आईटी सेंटर बनाना क्यों जरूरी है। कोर्ट ने पूछा कि क्या आपने (तेलंगाना सरकार) पर्यावरण विभाग से अनुमति

सुप्रीम कोर्ट की तेलंगाना सरकार को कड़ी चेतावनी

ली थी। अगर आप खुद को अदालत की अवमानना से बचाना चाहते हैं, तो इसे ठीक करने के उपाय करें। नहीं तो, आपके मुख्य सचिव को जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए। कोर्ट ने सिंघवी की इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि राज्य सरकार बड़े पैमाने पर पेड़ लगा रही है। जस्टिस मसीह ने कहा कि यह उस जगह पर नहीं हो रहा है जहां पेड़ काटे गए थे। चीफ जस्टिस ने मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को तय की है। इस मामले पर कोर्ट ने खुद ही ध्यान दिया था। चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप अपने काम को सही ठहराने की कोशिश करते हैं, तो मुख्य सचिव और पेड़ काटने के लिए जिम्मेदार एक दर्जन अन्य अधिकारी अदालत की अवमानना के खतरे में होंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि आपने एक लंबे वीकेंड का फायदा उठाया और पेड़ों को काट दिया।

पश्चिम बंगाल में 'पाकिस्तान समर्थक' पोस्ट के बाद हिंसा

- भीड़ ने बाप-बेटे को पीटा, पथराव में 3 पुलिसकर्मी घायल

कोलकाता (एजेंसी)। उत्तर 24 परगना जिले के बरासात इलाके में मंगलवार रात उस समय हालात बेकाबू हो गए जब एक कथित पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गईं। इस घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए,

जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हंगामे की शुरुआत रात करीब 11 बजे बरासात के तालिखोला इलाके में हुई, जब स्थानीय युवक शमीम द्वारा फेसबुक पर कथित तौर पर भारत विरोधी और पाकिस्तान के समर्थन में एक पोस्ट डाली गई। इससे इलाके में भारी तनाव फैल गया।

सड़क पर उतरे बंगाल में नौकरी गंवाने वाले टीचर्स

- कहा-ममता बनर्जी हमसे खुद बात करें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ का लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार सुबह शिक्षकों ने शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन के बाहर बैरिकेडिंग तोड़ दी और नारेबाजी करते हुए धरना शुरू किया। गुरुवार रात

शिक्षकों और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब 100 शिक्षक घायल हुए हैं। बिधाननगर के एसएसपी अनीश सरकार ने कहा- कई बार समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को निकलने नहीं दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे शिक्षक चिन्मय मंडल ने कहा- हमने शिक्षकों और आम लोगों से अपील की है कि विकास भवन के बाहर जुटें।

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे भारतीय सांसद

- अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई तक जाएंगे
- थरूर-ओवैसी रह सकते हैं शामिल, सरकार का बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 मई से 10 दिनों के लिए 5 देशों में भेज रही है। 5-6 सांसदों के कुल 8 ग्रुप्स अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अलग-अलग पार्टियों के सीनियर सांसद विदेश दौरे पर भारतीय डेलीगेशन के ग्रुप्स को लीड करेंगे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को ग्रुप लीडर बनाया जा सकता है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी भी डेलिगेशन का हिस्सा हो सकते हैं। सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है कि सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन

रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्हें अपना पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने की सलाह दी गई है। सरकार ने 8 मई को सभी दलों की बैठक बुलाई थी केंद्र सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। अगले दिन संसद में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए सभी दलों की बैठक बुलाई गई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की थी।

पिछली सरकारों ने अपना पक्ष रखने के लिए डेलिगेशन विदेश भेजे

विपक्ष के नेता वाजपेयी ने यूएनएससी में भारत का पक्ष रखा था ये पहली बार नहीं है, जब केंद्र सरकार ने किसी मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के लिए विपक्षी पार्टियों की मदद लेगी। इससे पहले 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने कश्मीर के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय डेलिगेशन को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग भेजा था। उस डेलिगेशन में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला और सलमान खुर्शीद जैसे नेता भी शामिल थे। तब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में कथित मानवाधिकार उल्लंघन के संबंध में यूएनएससी के सामने एक प्रस्ताव पेश करने की तैयारी में था। हालांकि, भारतीय डेलिगेशन ने पाकिस्तान के आरोपों का जवाब दिया और नतीजतन पाकिस्तान को अपना प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। उस समय यूएन में भारत के राजदूत हामिद अंसारी ने भी प्रधानमंत्री राव की रणनीति सफल कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

एस जयशंकर ने तालिबान के विदेश मंत्री से पहली बार की बात

- अहम मुद्दों पर हुई चर्चा, पाकिस्तान का तिलमिलाना हुआ तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ फोन पर बात की। इस बातचीत में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के कोशिशों का भी जिक्र हुआ। पिछले दिनों पाकिस्तानी सेना ने दावा किया था कि भारत ने अफगानिस्तान को भी मिसाइलों से निशाना बनाया था। भारत ने इसे सिरे से खारिज किया था। यह भारत और अफगानिस्तान के तालिबान प्रशासन के बीच पहली मंत्री स्तरीय बातचीत है। विदेश मंत्री ने कहा कि उनकी मुत्ताकी के साथ अच्छी बात हुई। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि वह पहलगाम आतंकी हमले को लेकर उनकी ओर से की गई भर्त्सना को सराहते हैं। साथ ही उन्होंने आधारहीन रिपोर्ट के जरिए दोनों देशों के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिशों को मुत्ताकी की ओर से खारिज किए जाने का स्वागत किया। जयशंकर ने लिखा कि अफगान लोगों के साथ पारंपरिक दोस्ती को रेखांकित किया गया।

जाति जनगणना पर राहुल गांधी ने खोला नया 'राज'

- कहा-हाशिए पर खड़े समुदाय के डर से मोदी करा रहे हैं जाति जनगणना

दरभंगा (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हाशिए पर पड़े समुदायों के डर से जाति जनगणना का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इन वंचित वर्गों के लिए खड़ा है। गांधी ने बिहार के दरभंगा में छात्रों से बातचीत की, जहां चुनाव होने वाले हैं। स्थानीय प्रशासन ने कथित तौर पर विपक्षी नेता को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से रोकने का प्रयास किया था। राहुल गांधी ने दावा किया कि हमने मोदी से कहा कि आप संविधान को अपने सिर से छू लें और उन्होंने ऐसा ही किया। हमने उनसे यह भी कहा था कि आपको जाति जनगणना करानी होगी। दोनों मौकों पर मोदी ने आप लोगों की नाराजगी के डर से हमारी मांगें मान लीं।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं, यह सिर्फ ट्रेलर

- भुज एयरबेस पहुंचे राजनाथ सिंह, बढ़ाया जवानों का हौसला
- रक्षामंत्री बोले-समय आने पर दुनिया को दिखाएंगे पूरी पिक्चर

अहमदाबाद (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये तो बस ट्रेलर है, समय आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे। जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है, बिहेवियर में गड़बड़ी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा- ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया, एक कहावत मशहूर है- दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया।

भुज ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का साक्षी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आपका अभिनंदन करने आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में आपने करिश्माई काम किया है। भारत का मस्तक आपने ऊंचा किया है। हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। आप सबके बीच आकर मुझे गौरव की अनुभूति हो रही है। भुज 65 और 71 की जंग में हमारी जीत का साक्षी रहा है और आज भी यह ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का साक्षी है। राजनाथ ने कहा- आपके पराक्रम ने दिखा दिया है कि यह वो सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं शौर्य का प्रतीक है। यह वह सिंदूर है जो सौंदर्य नहीं, संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। इस लड़ाई में सरकार और सभी नागरिक एकजुट थे।

भारतीय सेना के लिए 23 मिनट काफी थे

राजनाथ ने कहा- इस ऑपरेशन में आपने जो किया है, सभी हिंदुस्तानी उससे गौरवान्वित हैं। भारतीय सेना के लिए 23 मिनट काफी थे पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंकवाद के अजगर को कुचलने के लिए। जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी करते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों को निपटा दिया। राजनाथ ने कहा- आपने पाकिस्तान के भीतर मिसाइलें गिराई हैं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी। वह गूंज आपके शौर्य की, जवानों के पराक्रम की। भारतीय वायुसेना ने प्रभावी भूमिका निभाई, जिसकी सराहना दुनिया के दूसरे देशों में भी हो रही है।

जम्मू और कश्मीर में अब तुलबुल प्रोजेक्ट पूरा करने की उठी मांग

- पाकिस्तान ने इस बैराज का रुकवाया था काम, अब अपनी बारी

श्रीनगर (एजेंसी)। सिंधु जल संधि रुकने से उत्तरी कश्मीर के बारामूला, बांदीपोरा और दक्षिण कश्मीर के श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा और कुलगाम के गांवों के किसान खुश हैं। उनका कहना है कि 38 साल बाद भारत को तुलबुल बैराज का काम शुरू करने का मौका मिला है। भारत ने इसका काम 1984 में शुरू किया था। इससे दक्षिण से उत्तरी कश्मीर तक 100 किमी का नौवहन कॉरिडोर बनता और कश्मीर की लाइफलाइन झेलम का पानी रुकता और नदी में कभी सूखा नहीं पड़ता। एक लाख एकड़ जमीन सिंचित रहती, लेकिन 1987 में पाक ने इसे सिंधु जल संधि का उल्लंघन बताते हुए काम रुकवा दिया था। अब हालात बदले हैं।

- **वुलर झील के मुहाने पर है तुलबुल प्रोजेक्ट-** तुलबुल प्रोजेक्ट झेलम नदी पर वुलर झील के मुहाने पर 440 फीट लंबा नौवहन लॉक-कम-नियंत्रण ढांचा था। यहां झेलम का पानी रोकने के लिए 3 लाख बिलियन क्यूबिक मीटर की भंडारण क्षमता तैयार की गई थी। तुलबुल प्रोजेक्ट इस वक्त 20 करोड़ खर्च हुए थे, लेकिन झेलम में बार-बार बाढ़ आने से निर्माण मिट्टी में दब गए। इससे झेलम का पानी कश्मीर में नहीं रुक सका और पाकिस्तान बहकर जाता रहा। पहलगाम आतंकी हमले के अगले दिन 23 अप्रैल को पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी यानी सीसीए की बैठक हुई थी। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ 5 बड़े फैसले हुए थे।

- ऑपरेशन सिंदूर पर अब एमपी के डिप्टी-सीएम का विवादित बयान

बोले-सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक, कांग्रेस ने कहा- ये सेना के शौर्य का अपमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में मंत्री विजय शाह के बाद अब डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दिया है। देवड़ा ने शुक्रवार को जबलपुर में कहा, प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे...और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक है। वे यहां सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उनके बयान को कांग्रेस ने सेना के शौर्य का अपमान बताया। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस देवड़ा के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विवाद बढ़ने के बाद डिप्टी सीएम ने सफाई दी। कहा, मेरे बयान को गलत ढंग से पेश किया जा रहा है। इससे पहले मंत्री शाह ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान दिया था। एमपी हाईकोर्ट ने पुलिस को एफआईआर दर्ज का आदेश दिया।

- पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद बड़ा कदम

रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ बढ़ाने का बन गया है प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी। साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी खर्च किया जाएगा। बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपए का बजट दिया था। इस साल रक्षा बजट पिछले साल की तुलना में करीब 9.5 फीसदी ज्यादा है। केंद्र ने 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपए दिए थे। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के पहले बजट 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे। बॉर्डर पार किए बिना भारत ने पाकिस्तान में 9 आतंकी कैंप्स नष्ट किए जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच रक्षा बजट में बढ़ोतरी को लेकर रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को अहम माना जा रहा है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में हमला किया था। इस दौरान भारत ने अपने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम की बदौलत बॉर्डर पार किए बिना पाकिस्तान के भीतर जाकर नौ आतंकवादी कैंपों को नष्ट कर दिया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

पाकिस्तान की पोल खुली

आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

हालात बिगाड़ने की कोशिश

युद्ध जैसी स्थितियों के बावजूद अपने एयरस्पेस को बंद न करना और बॉर्डर के पास अंतरराष्ट्रीय उड़ानें जारी रखना बताता है कि पाकिस्तान जानबूझकर हालात और खराब करना चाहता है। वह हर मुमकिन कोशिश कर रहा है, जिससे भारत की आतंकवाद के खिलाफ जंग बड़े युद्ध में बदल जाए और उसे दुष्प्रचार का मौका मिले। भारत ने अगर जिम्मेदारी न दिखाई होती, तो बात अब तक पूरी तरह बिगड़ चुकी होती। दोनों देशों से शांति की अपील करने वाले वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान की इन हरकतों को भी देखना चाहिए।

जवाब मिल गया

इस्लामाबाद के सारे कदम अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों के उलट हैं। वह खास धार्मिक इमारतों को लक्ष्य कर गोलाबारी कर रहा है, ताकि भारत में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सके। लेकिन, पूरा देश एकजुट है और सेना के साथ खड़ा है। भारतीय सेना ने भी जवाबी एक्शन में बहुत ही संयम से काम लिया है। बार-बार उकसाए जाने के बावजूद सेना ने केवल लक्षित हमले किए हैं। साथ ही, वह पाकिस्तानी दुष्प्रचार की भी पोल खोल रही है।

आतंकी प्रयास नाकाम

पहलगाम हमले से पाकिस्तान ने कोई भी संबंध होने से इनकार किया था। लेकिन, ऑपरेशन सिंदूर के बाद हर बीतते दिन के साथ उसका यह झूठ बेनकाब हो रहा है। सांबा में घुसपैठ का प्रयास करते 7 आतंकियों को भारतीय जवानों ने मार गिराया। यानी अभी भी पाकिस्तान आतंकियों के सहारे भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिश में लगा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी बताया था कि सेना ने जिन आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, वहां से और हमलों की साजिश चल रही थी।

पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा नहीं झेल पाएगी, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे IMF से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार का बिल्कुल सही कहना है कि वह इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

क्या सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को आदेश दे सकती है?

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आर्टिकल 142 का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए विधेयक पारित करने की समयसीमा तय की थी। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के आर्टिकल 143 का इस्तेमाल करके सुप्रीम कोर्ट से ही 14 सवाल पूछ लिए हैं?

भारत के संविधान में आर्टिकल 143 के तहत राष्ट्रपति को यह अधिकार मिलता है कि वो सुप्रीम कोर्ट से राय मांग सकते हैं। यह संवैधानिक मुश्किलों को सुलझाने में मदद करता है। इसमें मुख्य रूप से दो तरह की राय के लिए अलग-अलग क्लॉज हैं-

आर्टिकल 143 (1): राष्ट्रपति किसी भी कानूनी या तथ्यात्मक सवाल पर सुप्रीम कोर्ट की राय मांग सकते हैं। यह जरूरी नहीं कि वह सवाल किसी मौजूदा विवाद से जुड़े हों। उदाहरण से समझें तो कोई नया कानून बनाने से पहले उसकी संवैधानिक वैधता पर राय ली जा सकती है।

आर्टिकल 143 (2): अगर कोई विवाद किसी ऐसी संधि, समझौते या अन्य दस्तावेजों से जुड़ा है, जो संविधान लागू होने यानी 26 जनवरी 1950 से पहले से चल रहा था, तो राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट से उस पर राय मांग सकते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर्टिकल 143 (1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल किए और राय मांगी है। दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा में 2020 से 2023 के बीच 12 विधेयक पारित किए गए। इन्हें मंजूरी के लिए राज्यपाल आरएन रवि के पास भेजा गया। उन्होंने विधेयकों पर कोई कार्रवाई नहीं की, दबाकर रख लिया।

अक्टूबर 2023 में तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई। इसके बाद राज्यपाल ने 10 विधेयक बिना साइन किए लौटा दिए और 2 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दिया। सरकार ने 10 विधेयक दोबारा पारित कर राज्यपाल के पास भेजे। राज्यपाल ने इस बार इन्हें राष्ट्रपति के पास भेज दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2025 को एक अहम फैसले में राज्यपाल के इस तरह विधेयक अटकाने को अवैध बता दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने राज्यपाल से कहा- 'आप संविधान से चलें, पार्टियों की मर्जी से नहीं।'

राज्यपाल ने 'ईमानदारी' से काम नहीं किया। इसलिए कोर्ट ने आदेश दिया कि इन 10 विधेयकों को पारित माना जाए। यह पहली बार था जब राज्यपाल की मंजूरी के बिना विधेयक पारित हो गए।

दरअसल, संविधान में यह निर्धारित नहीं किया गया है कि विधानसभा से पारित विधेयक को राज्यपाल या राष्ट्रपति को कितने दिनों के भीतर मंजूरी या नामंजूरी देनी होगी। संविधान में सिर्फ इतना लिखा है कि उन्हें 'जितनी जल्दी हो सके' फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस 'जितनी जल्दी हो सके' को डिफाइन कर दिया है...

अगर राज्य सरकार कोई विधेयक मंजूरी के लिए भेजती है तो राज्यपाल को एक महीने के भीतर कार्रवाई करनी होगी।

अगर राज्यपाल विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो राष्ट्रपति के पास भी इस पर फैसला लेने के लिए 3 महीने का ही समय होगा। इससे ज्यादा दिन होने पर उन्हें उचित कारण बताना होगा।

अगर राज्यपाल या राष्ट्रपति समय सीमा के भीतर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं, तो राज्य सरकार अदालत जा सकती है।

इससे ये सवाल उठा कि क्या सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को भी निर्देश दे सकती है। इसी के बाद राष्ट्रपति द्रोपदू मुर्मू से ये 14 सवाल किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट क्लॉज-1 के तहत राय देने के बाध्य नहीं है। यानी अगर कोर्ट को लगे कि मामला राय देने के लिए उचित नहीं है, तो वह मना कर सकती है। लेकिन क्लॉज-2 के तहत सुप्रीम कोर्ट को राय देना अनिवार्य होता है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील और संविधान के जानकार विराग गुप्ता कहते हैं, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से क्लॉज-1 के तहत 14 सवाल पूछे हैं, यानी सुप्रीम कोर्ट इन सवालों पर राय देने के बाध्य नहीं है। इससे पहले राम मंदिर विवाद पर नरसिम्हा राव की सरकार के रेफरेंस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ऐतिहासिक और पौराणिक तथ्यों के मामलों में राय देना अनुच्छेद 143 के दायरे में नहीं आता।'

1993 में कावेरी जल विवाद पर भी कोर्ट ने राय देने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा 2002 में गुजरात चुनावों के मामले में कोर्ट ने कहा था कि अपील या पुनर्विचार याचिका की बजाय रेफरेंस भेजने का विकल्प गलत है।

विराग गुप्ता कहते हैं, 'जिस तरह सुप्रीम कोर्ट बाध्य नहीं है, ठीक उसी तरह राष्ट्रपति और केंद्र सरकार भी सुप्रीम कोर्ट की राय मानने के बाध्य नहीं है। यानी अगर कोर्ट किसी मामले पर अपनी राय दे, तो यह राष्ट्रपति और सरकार की मर्जी है कि वह राय माने या न माने। हालांकि, यह राय बहुत महत्वपूर्ण होती है।'

हां। सुप्रीम कोर्ट आर्टिकल 142 के तहत राष्ट्रपति और राज्यपाल को भी निर्देश दे सकती है। दरअसल, भारत के संविधान निर्माताओं ने वो सभी बातें संविधान में शामिल कर लीं, जितनी उस वक्त तक सोची जा सकती थीं।

इसके साथ ही आर्टिकल 142 के जरिए सुप्रीम कोर्ट को 'पूर्ण न्याय' करने की विशेष शक्ति दे दी। ताकि जब कानून के मौजूदा प्रावधान पर्याप्त न हों या अस्पष्ट हों, तब भी न्याय सुनिश्चित किया जा सके। इसका मसौदा आर्टिकल 18 की तरह संविधान सभा में बिना बहस और विरोध के अपनाया गया था।

डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने संविधान सभा में इस अनुच्छेद का समर्थन करते हुए कहा था,

यानी, अगर कोई मामला इतना असाधारण हो कि मौजूदा कानून के जरिए न्याय न किया जा सके, तो ये अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट के लिए एक 'सेफ्टी वॉल्व' है।

यह आर्टिकल सुप्रीम कोर्ट को सिर्फ संविधान की व्याख्या करने के साथ अंतिम न्याय देने वाली संस्था बनाता है।

विराग गुप्ता कहते हैं, 'इस पूरे मामले के पीछे केंद्र सरकार आर्टिकल 142 को टारगेट कर रही है। सरकार को लगता है कि देश की न्यायपालिका इस आर्टिकल का गलत इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, हकीकत इससे जुदा है। केंद्र सरकार के ऑब्जेक्शन से इस आर्टिकल का कुछ नहीं बिगड़ेगा और न ही यह खत्म होगा। केंद्र सिर्फ इस आर्टिकल में बदलाव के प्रावधान कर सकती है।'

17 अप्रैल को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आर्टिकल 142 का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। जज 'सुपर पार्लियामेंट' की तरह काम कर रहे हैं।

मौजूदा हालात में राष्ट्रपति के जरिए सुप्रीम कोर्ट से सवाल करने के पीछे केंद्र सरकार की 4 बड़ी वजहें हो सकती हैं-

केंद्र सराकर तमिलनाडु के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को दूसरे राज्यों पर लागू नहीं करवाना चाहती। यानी सरकार को डर है कि कहीं सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु की तरह किसी अन्य राज्य पर भी फैसला सुना दे।

आमतौर पर किसी जजमेंट के खिलाफ रिव्यू किया जाता है। लेकिन सरकार राष्ट्रपति के जरिए रेफ्रेंस भेजकर इस मामले को होल्ड कराना चाहती है।

इस मामले के बहाने केंद्र सरकार बताना चाहती है कि सुप्रीम कोर्ट संसद और सरकार से ऊपर नहीं है। यानी सुप्रीम कोर्ट के फैसले सरकार पर नहीं चलेंगे।

इसके अलावा आर्टिकल 142 को चैलेंज करना चाहती है। यानी सरकार की भूमिका में सुप्रीम कोर्ट के दखल को मंजूर नहीं किया जाएगा।

विराग गुप्ता कहते हैं, 'कोर्ट के नियम के मुताबिक तमिलनाडु मामले में केंद्र सरकार को पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए, क्योंकि कोर्ट मेरिट पर गए बगैर राष्ट्रपति के सवालों पर राय देने से मना कर सकती है। कोर्ट के पास इसके अधिकार हैं।'

आर्टिकल 143 से जुड़े 3 बड़े मामले सामने आ चुके हैं, जब सुप्रीम कोर्ट ने राय दी...

दिल्ली लॉज एक्ट-1951: आर्टिकल 143 का सबसे पहला अहम मामला दिल्ली लॉज एक्ट में आया था। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने राय दी थी। कोर्ट ने कहा था, 'विधायिका कुछ शक्तियों का डेलिगेशन कर सकती है, लेकिन उसे संविधान और सक्षम अधिनियम के दायरे में रहकर ऐसा करना चाहिए। हालांकि, आवश्यक विधायी कामों का डेलिगेशन नहीं हो सकता।'

केरल शिक्षा बिल- 1957: इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रेफरेंस की व्याख्या करने के साथ राय दी थी। कोर्ट ने पाया कि कुछ प्रावधानों ने अल्पसंख्यक संस्थानों की मान्यता और कंट्रोल से जुड़े संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया था। कोर्ट ने कहा था- 'शिक्षा संस्थानों को विनियमित करने का अधिकार है, लेकिन ऐसे विनियम से अल्पसंख्यक समुदायों के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए।'

इंदौर नगर निगम मामला: 2006 में इंदौर की नगर निगम मामले में सुप्रीम कोर्ट के 3 जजों की बेंच ने राय दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, 'नीतिगत मामलों में संसद और केंद्र सरकार के फैसलों पर न्यायिक दखल अंदाजी नहीं होनी चाहिए।'

ब्रिटेन में संसद सर्वोच्च है, वहां की अदालतें संसद द्वारा बनाए कानून से बंधी होती हैं, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। विराग गुप्ता कहते हैं...

भारत में सुप्रीमेसी ऑफ कॉन्स्टिट्यूशन है, न कि सुप्रीमेसी ऑफ पार्लियामेंट। यानी देश में संविधान सबसे ऊपर है। इसके तहत सभी के बीच शक्तियों का विभाजन है। इसलिए राष्ट्रपति का पद भी संविधान से ऊपर नहीं हो सकता और न ही संविधान के दायरे से बाहर जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को भी आदेश दे सकती है। उसे आर्टिकल 142 के तहत अधिकार है कि वह पूर्ण न्याय के लिए संविधान सम्मत फैसला ले सकती है,।

हालांकि राष्ट्रपति की तरह काम करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास नहीं है। मान लीजिए सुप्रीम कोर्ट के जज की नियुक्ति करनी है और कॉलेजियम में कोई सिफारिश पेंडिंग है, तो सुप्रीम कोर्ट यह नहीं कह सकती कि इतने दिनों से सिफारिश पेंडिंग है, तो हम राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना नियुक्ति कर देते हैं।

तुर्किये को साइप्रस के मसले पर घेरे भारत

कूटनीति

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ स्तंभकार

संस्कृत की एक प्रसिद्ध कहावत है 'शठे शाठयम समाचरेत'। यानि दुष्ट के साथ दुष्टता का ही व्यवहार होना चाहिए। यूरेशिया में स्थित तुर्किये ऐसा ही एक दगाबाज देश है जिसके साथ इसी तरह का व्यवहार होना चाहिए। इसलिए कि उसने भारत के विरुद्ध आतंकियों के प्रश्रयदाता देश पाकिस्तान के साथ कंधा जोड़ने की हिमाकत की है। उसने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध पाकिस्तान को गोला-बारुद, समुद्री जहाज, ड्रोन और हरक्यूलिस विमान उपलब्ध कराकर रेखांकित कर दिया है कि वह दुनिया का सबसे अहसान फरामोश और कृतघ्न देश है। उसके लिए दोस्ती बेमानी है। यह अलग बात है कि पाकिस्तान को दिए उसके सभी हथियार फुस्स साबित हुए हैं। भारत ने उसके सभी ड्रोन एवं उसके सैन्य ऑपरेटिव्स मार गिराए। इससे दुनिया भर में उसकी भद्द पीट रही है।

भारत ने तुर्किये को दी थी मदद

तुर्किये कितना अहसान फरामोश है इसी से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में वहां आए भीषण भूकंप में भारत ने 'ऑपरेशन दोस्त' के जरिए उसे राहत सामग्री भेजकर भरपूर मदद की थी। लेकिन उसने इस अहसान को दरिया में डालकर जेहादियों से गलबहियां कर बैठा। उसके इस कृत्य से भारत में आक्रोश और गुस्सा होना लाजिमी है। भारत के नागरिकों द्वारा उसके वस्तुओं के आयात को बंद किए जाने और उसके सामानों के बहिष्कार की मांग तेज हो गई है। भारतीय व्यापारी टर्किश सेब के बहिष्कार का ऐलान कर रहे हैं। पर्यटन पर निर्भर तुर्किये के लिए ट्रैवल एजेंसियों ने भी ट्रैवल पैकेज रद करने का ऐलान कर दिया हैं। मेक माई ट्रिप के मुताबिक तुर्किये की बुकिंग में तकरीबन 60 फीसदी की गिरावट आई है। जामिया और जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय समेत कई अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों ने तुर्किये के विश्वविद्यालयों से अपना समझौता रद कर दिया है। मतलब साफ है कि अब तुर्किये को पाकिस्तान से कंधा जोड़ने की कीमत चुकानी ही होगी। उचित होगा कि भारत तुर्किये को सबक सिखाने के लिए उसकी दुखती रग साइप्रस का मसला उठाकर उसकी अंतरराष्ट्रीय घेराबंदी तेज करे। गौरतलब है कि तुर्किये ने साइप्रस के 36 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर कब्जा जमा रखा है। साइप्रस के भौगोलिक परिदृश्य पर नजर डालें तो यहां मुख्य रूप से ग्रीस और तुर्किये समुदाय के लोग रहते हैं। इनके बीच दशकों पहले से नस्लीय विवाद चला आ रहा है। इतिहास में जाएं तो साइप्रस कभी अंग्रेजों की कॉलोनी हुआ करता था। 1878 से चले आ रहे ब्रिटिश उपनिवेश का अंत 1960 में हुआ और साइप्रस को एक नए देश के रूप में पहचान मिली।

तुर्किये का साइप्रस पर कब्जा

चूंकि साइप्रस एक नया देश था लिहाजा वहां सत्ता-संघर्ष की स्थिति तेज हो गयी। 15 जुलाई, 1974 को तुर्किये की सेना ने साइप्रियट नेशनल गार्ड की अगुवाई में साइप्रस के अंदरुनी हालातों का फायदा उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून को ठेंगा दिखाकर उत्तरी हिस्से पर आक्रमण कर उसके महत्वपूर्ण शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। उस समय साइप्रस में सैन्य विद्रोह चल रहा था। इस

विद्रोह को ग्रीस का समर्थन प्राप्त था। तुर्किये कतई नहीं चाहता था कि साइप्रस में ग्रीस का हस्तक्षेप हो। वैसे भी ग्रीस और तुर्किये के बीच पहले से ही समुद्री क्षेत्र को लेकर तनाव चल रहा था। साइप्रस को हथियाने के खेल में तुर्किये भारी पड़ा और उसने उत्तरी हिस्से पर कब्जा कर उसे टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉदर्न साइप्रस नाम दे दिया। तब सुरक्षा परिषद के सभी देशों ने तुर्किये के इस कदम की निंदा की। 2 अगस्त, 1975 को तुर्किये और साइप्रस के बीच वियना में समझौता हुआ। तय हुआ कि तुर्किये अपने बलात् किए गए कब्जे वाले इलाके में लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने मजहब को मानने की आजादी समेत सामान्य जीवन जीने में मददगार हर बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराएगा। लेकिन तुर्किये ने इस समझौते को ठेंगे पर रख अपना अत्याचार जारी रखा। तुर्किये के आक्रमण के कारण 162000 ग्रीक-साइप्रियोट अपने ही देश में शरणार्थी बनकर रह गए। जो लोग अपना घर छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुए उन पर तुर्किये ने इस कदर कहर बरपाया कि वे अपनी संपत्ति छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। आज इस इलाके में ग्रीक-साइप्रियोट की आबादी महज तीन सैकड़ा ही बची है। जिन लोगों ने तुर्किये के कब्जे का विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। तुर्किये ने इस इलाके में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए हजारों तुर्क परिवारों को बसा रखा है। इस कारण दक्षिण और उत्तर साइप्रस के बीच यदा-कदा तनाव की स्थिति उत्पन होती रहती है। तुर्किये के कब्जे के बाद से ही यह द्वीप दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्क साइप्रसवासियों ने अपने इलाके को टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉदर्न साइप्रस नाम दिया है। तुर्किये द्वारा जबरन कब्जाया गया साइप्रस का यह उत्तरी इलाका लोगों की जीविका और आमदनी का बड़ा स्रोत हुआ करता था। यह इलाका वर्ष भर पर्यटकों से भरा गुलजार रहता था। आर्थिक रूप से समृद्ध यह इलाका बहुमंजिली इमारतों के लिए भी जाना जाता था। लेकिन तुर्किये के अत्याचार ने इसे वीरान बना दिया है। किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए यहां उसने 40 हजार से अधिक सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है। अब वक्त आ गया है कि भारत इस मसले को हवा देकर वैश्विक स्तर पर तुर्किये की फजीहत बढ़ाए। याद होगा वर्ष 2022 में भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में साइप्रस का मुद्दा उठाकर तुर्किये की चौधराहट की हवा निकाल दी थी। तब भारतीय विदेशमंत्री ने तुर्किये के विदेशमंत्री मेवलुत कावुसोग्लू से मुलाकात कर साइप्रस की स्वतंत्रता, संप्रभुता और स्वायत्तता की बात उठाई थी। उन्होंने ट्वीट कर यह भी कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के हिसाब से साइप्रस मुद्दे का शांतिपूर्ण हल निकाले। गौर करें तो तुर्किये ने न सिर्फ पाकिस्तान के साथ कंधा जोड़ा है बल्कि वह बार-बार कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को असहज करने की चेष्टा करता है। वह अन्य मसलों पर भी भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान का साथ देता है।

ग्रीस व आर्मिनिया होंगे सहायक

गत वर्ष उसने पाकिस्तान की शह पर भारत के 56,877 मिलियन टन अनाज से लदे जहाज को वापस भेज दिया था। उसने ऐसा कर वैश्विक बाजार में भारतीय अनाज निर्यात की साख खराब करने की कोशिश की थी। यही नहीं, वह इंटरनेट मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के जरिए भी भारत विरोधी केंद्र के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। तुर्किये के आक्रामक व्यवहार को देखते हुए समय आ गया है कि भारत भी उसके विरुद्ध खुलकर पत्ते खेले।

भारत को न सिर्फ साइप्रस के मसले को उठाना चाहिए बल्कि ग्रीस और आर्मिनिया के साथ कंधा जोड़कर तुर्किये की तेज घेराबंदी करनी चाहिए। इसलिए कि ग्रीस और आर्मिनिया दोनों ही तुर्किये के शत्रु हैं और नीति भी कहती है कि 'शत्रु का शत्रु मित्र' होता है।

देश में तैयार हो रही है रोबोट सेना

प्रौद्योगिकी

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

मनुष्य की सोच असीम संभावनाओं से जुड़ी है। कल्पना से शुरू होने वाले विचार सच्चाई के धरातल पर आकार लेते हैं, तो आंखें हैरान रह जाती हैं। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमोनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में न केवल मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे, बल्कि स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट के निर्माण का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को रक्त बहाने की जरूरत न पड़े। डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमोनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्षित भी किया गया है। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद तेजी

पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के विरुद्ध चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है। इजरायल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी। इजरायल की विख्यात रक्षा कंपनी इल्बिट रोबो टीम ने इस सेना को तैयार किया है। रोबो टीम के सीईओ इलाजलेवी के मुताबिक आकाश में ड्रोन और हवाई रोबोट के जरिए होने वाले सभी काम अब धरती पर भी हो सकेंगे। मानव रहित रोक रोबोट के अंदर स्वयं ही खतरों को भांपकर फैसला लेने की क्षमता विकसित कर दी गई है। कृत्रिम बौद्धिक क्षमता से परिपूर्ण ये रोबोट जंग के मैदान में खराब होने पर इसके पुर्जे साथ चलने वाले रोबोट सैनिक बदल देंगे। इसकी इस विशेषता से रोबोट सैनिक एकाएक निष्क्रिय नहीं होंगे। 200 किलोग्राम वजन वाले इस रोक रोबोट की दौड़ने की क्षमता 30 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यह 1200 किलोमीटर मारक क्षमता वाले हथियार लेकर चलने में सक्षम हैं। इसकी कीमत डेढ़ लाख डॉलर से लेकर तीन लाख डॉलर तक है। मसलन भविष्य के युद्ध रोबोट थल सेना लड़ेगी।

एआई बनी चर्चा का विषय

कृत्रिम बौद्धिकता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पिछले एक दशक से अपनी हैरतअंगेज उपलब्धियों व भविष्य की संभावनाओं के चलते दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क, बिल गेट्स और स्टीफन हॉकिंग ने इसकी अतिरिक्त बुद्धि एवं शक्ति से आशंकित होकर कई बार चेताया भी है। बावजूद अनेक ऐसे पूंजी-निवेशक और वैज्ञानिक हैं, जो एआई को एक बेहतर भविष्य के सपने के रूप में देखते रहे हैं। क्योंकि आज रोबोट कारखानों में मजदूरी के काम से लेकर शिक्षक, टीवी एंकर, नर्स और अब

सैनिक की भूमिका में अवतरित होने जा रहा है। मानव और मशीन के बीच पैदा होने वाले ये द्वंद्व हकीकत में किस सच्चाई के रूप में सामने आएंगे, यह तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन जब-जब कोई नया आविष्कार हुआ है तो वह शंका का कारण तो बना ही है। भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी) से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ा दी जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी तक खड़ी की जाने की तैयारी है। हवाईयानों को भी रोबोटिक हथियारों से सक्षम बनाया जाएगा। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है। इसमें भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) भी सहयोग कर रहा है। दरअसल भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ही ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही हैं। साफ है, इनसे निपटना आसान नहीं है। क्योंकि ये सामने तो दिखाई नहीं देते हैं, मगर इनका धोखे से किया गया हमला बड़ा खतरनाक होता है। ऐसे ही हमलों के चलते हम कश्मीर घाटी और पाक सीमा पर 42000 से भी ज्यादा नागरिक और सैनिक गवां चुके हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए इन आतंकियों ने 26 पर्यटकों के प्राण ले लिए थे। इसी की प्रतिक्रिया में ऑपरेशन सिंदूर जारी है। साफ है, इन धोखेबाज ताकतों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े उपकरणों से ही निपटना बेहतर है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य व अदृश्य शक्ति के रूप में उतरकर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट घाटी एवं नियंत्रण रेखा पर जो आतंक प्रभावित क्षेत्र हैं, उनमें सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा के लौह कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। यही नहीं दुश्मन की घुसपैठ को नाकाम बनाने और पाकिस्तानी सेना के हमलों से मुकाबले में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी। कृत्रिम बुद्धि (एआई) वाले ये रोबोट सेना के रूप में सीमा पर शक्ति का पर्याय बनके दुश्मन पर कहर बनकर टूटेंगे।इसी मंषा के अनुरूप रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्वेलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है।

मानव सैनिकों के लिए थर्मल जैकेट

भारतीय युद्ध और रक्षा प्रणालियों में आमूल-चूल परिवर्तन किया जा रहा है। सेना को रोबोटिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी संस्थान के विज्ञानियों ने सेना के लिए आधुनिकतम रक्षा उपकरण विकसित करके नए कीर्तिमान बनाए हैं। इन्होंने सैनिकों के भरोसेमंद साथी के रूप में इंटेलीजेंट रोबोट निर्मित किया है। दूसरा नवाचार थर्मल जैकेट का किया है, यह जानलेवा गर्मी से सैनिकों की सुरक्षा करेगी।

अहमदाबाद से जाने वाले 32 हज यात्रि वापसी में अहमदाबाद की बजाए जयपुर एयरपोर्ट पर आना चाहते

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। हज 2025 पर राजस्थान स्टेट हज कमेटी से जाने वाले 32 हज यात्रि जिन में 15 लोगों का विज़ा देरी से आने के कारण इन को 14 मई को अहमदाबाद एयरपोर्ट से हज यात्रा पर मदिना भिजवाया गया था। यह सभी हज यात्रा पूरी होने पर अहमदाबाद की बजाय जयपुर एयरपोर्ट पर ही वापसी चाहते हैं।

हाजी शाहिद मौहम्मद ने बताया कि जब इन हज यात्रियों को हम जयपुर से बस के द्वारा अहमदाबाद लेकर गये थे। वहां पहुंच कर उन्होंने राजस्थान हज कमेटी के द्वारा कि गई व्यवस्था की तारीफ की ओर जो खिदमतगार हाजी शाहिद मोहम्मद के नेतृत्व में भेजे गये थे उन की खिदमत से भी खुश थे। कोई शिकायत नहीं की पर यह कहा की जयपुर से अहमदाबाद आने पर जो समय खराब हुआ ओर परेशानी हुई हम नहीं चाहते हैं की वापसी में भी हमें यह परेशानी हो उन्होंने कहा की हम चाहते हैं की हज का सफर पूरा होने पर हमें अहमदाबाद कि जगह जयपुर एयरपोर्ट पर ही लाया जाये।

उन्होंने यह भी कहा कि जयपुर से हमारी जिस तारिख को फ्लाइट थी उसी फ्लाइट से हमारी वापसी कराई जाये।

हमारी हज यात्रा के दिन कम हो जायें तो कोई बात नहीं हमें मंजूर है पर वापसी जयपुर ही चाहते हैं।

हाजी शाहिद मौहम्मद ने राजस्थान हज कमेटी के अधिशासी अधिकारी अबु सुफियान से अनुरोध किया है की वह सेंट्रल हज कमेटी मुम्बई के मुख्य अधिशासी अधिकारी से बात कर इन हज यात्रियों की वापसी जयपुर कराने की मेहरबानी करें। जिससे हज यात्रियों को अहमदाबाद से जयपुर आने वाले सफर से ओर परेशानी से बचाया जा सके।

सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों का बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन, विद्यालय का नाम किया रोशन

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल प्रताप नगर सांगानेर जयपुर के कक्षा दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में अपेक्षा से ज्यादा अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कला विषय में छात्र अनुराग मीणा ने 98% एवं आयुष भटनागर ने 95% अंक प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रसायन विज्ञान में महिमा शर्मा ने 100 अंक लाकर बहुत बड़ी सफलता प्राप्त की है। ऋद्धि जैन ने कॉमर्स संकाय में 92 अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता और शिक्षकों को गर्व महसूस कराया बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत का कार्य किया है। श्रृदि की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समय प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विज्ञान विषय में महिमा शर्मा, करण सोगर, धृति मित्तल अभिषेक कुमार शर्मा, मधु कुमावत ने 90% से ज्यादा अंक प्राप्त किये है। दसवीं की छात्रा कुमारी सोनल कोरजानी ने 95% अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा दसवीं के लगभग 30 विद्यार्थियों ने 85%

अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम बढ़ाया है। विद्यालय के निदेशक डॉक्टर मुदित विलियम्स ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक गण एवं सभी विद्यार्थियों की प्रशंसा की है और कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती। विद्यार्थियों की मेहनत के पीछे शिक्षकों के अनुभव का भी साथ रहा। जिस प्रकार विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष मन लगाकर अध्ययन किया उसी प्रकार शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए दिन-रात एक कर दिए और उसी का परिणाम विद्यालय को आज गौरवान्वित कर रहा है। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि यह परिणाम विद्यालय की शिक्षा गुणवत्ता का परिचायक है। उन्होंने छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि छात्रों की मेहनत शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी है। आगे भी इसी तरह लगन से कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित करते रहें।

अजमेर नगर निगम के नवीन भवन का हुआ लोकार्पण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अजमेर नगर निगम के नवनिर्मित भवन का शनिवार को लोकार्पण किया गया। लोकार्पण समारोह को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने संबोधित किया। समारोह से पूर्व सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि शहरवासियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न संस्थाओं को परकोटे से बाहर स्थापित किया गया है। कभी राजकीय महिला चिकित्सालय दूर था आज शहर का भाग हो गया है। इसी प्रकार नगर निगम भवन भी होगा। नगर निगम से जुड़े जनप्रतिनिधियों का निर्वाचन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए होता है। इन्हें आमजन को संतुष्ट करने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े कार्यों को ऑनलाइन करने से जनता को लाभ हो रहा है। जनप्रतिनिधि एवं समस्त अधिकारी स्वयं को जनता के सेवक का भाव रखकर कार्य करें। अजमेर के विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि हम सबको राजनीति से ऊपर उठकर मिलकर कार्य करना चाहिए। आमजन को केंद्र में रखकर कार्य करने से विकास की गति तीव्र हो जाती है। साथ ही आमजन का संतुष्टि स्तर भी बढ़ जाता है। जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी अपने कार्य को पूर्ण ईमानदारी एवं लगन के साथ करें। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि शहर का विकास समस्त व्यक्तियों के सहयोग से होता है। सरकार ईआरसीपी प्रोजेक्ट पर तेजी से कार्य कर रही है। इसके परिणाम स्वरुप अजमेर में जल्द ही छोटा बीसलपुर जैसा जल स्रोत बनेगा। इससे अजमेर का जल संकट हमेशा के लिए दूर हो जाएगा। सरकार अगले 50 वर्षों की आवश्यकता को पूरी करने के अनुसार योजना बना रही है।

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास के विजन को आगे बढ़ाने के लिए विकास कार्यों में जन भागीदारी आवश्यक है। अब तक जन कल्याणकारी योजनाएं जनता के सहयोग से ही आगे बढ़ी है। इन योजनाओं ने देश की दशा और दिशा को बदला है। प्रत्येक व्यक्ति को सार्वजनिक संपत्ति में अपना अंश मानकर निजी संपत्ति की तरह सुरक्षा करनी चाहिए। सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा करने का भाव होने से देश का स्वरूप अलग होगा। सरकार के खजाने का धन समस्त नागरिकों के खून पसीने से एकत्र होता है। इसीलिए इसका सदुपयोग करने के साथ ही सतर्कता से निगरानी करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण से व्यक्ति का तन, मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। इसका प्रभाव आत्मा पर भी पड़ता है। आत्मा में सकारात्मक चिंतन होने से व्यक्ति राष्ट्र के उत्थान के बारे में सोचेगा। प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया। मां के साथ पेड़ के जुड़े होने से व्यक्ति उस पेड़ की देखभाल करके वृक्ष बनाने का संकल्प लगा। इस मंतव्य के साथ कार्य करने से आगामी 5 वर्षों में प्रकृति में संतुलन स्थापित होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार नगरीय निकायों की सेवाओं को सहज उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। इस कारण अधिकतर कार्य ऑनलाइन किए गए हैं। पूंजी पुनर्भरण मद में राशि बढ़ाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। सुनियोजित विकास की अवधारणा के साथ स्मार्ट सिटी को आरंभ किया गया था। सरकार द्वारा नगरीय विकास को केंद्र में रखकर कई नीतिगत निर्णय लिए हैं। डूंगरपुर की तरह अन्य नगरीय निकायों के निवासियों में भी सफाई के प्रति जागरूकता होनी चाहिए।

राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति शीघ्रता से हो जारी - दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में गुरुवार को शासन सचिवालय में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री ने राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति शीघ्रता से जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य में एडवेंचर योजना पर कार्य किये जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही विभिन्न पर्यटन साइट्स पर पर्याप्त संख्या में सीसी टीवी कैमरे लगाये जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति को अंतिम रूप से तैयार कर, शीघ्र ही जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही राज्य में एडवेंचर योजना पर कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पुष्कर सरोवर की डीपीआर में सरोवर के कार्यों सहित घाट के सौंदर्यकरण का कार्य एवं अन्य वाँछित उपयोगी कार्यों को प्राथमिकता से लेने के निर्देश भी प्रदान किये।

उपमुख्यमंत्री ने श्री खाटूश्याम जी का सुनियोजित विकास कार्य किया जाने तथा वहां दर्शनार्थियों की सुविधा पर फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर में प्रवेश और निकासी की बेहतर सुविधा विकसित किये जाने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने मालासेरी डूंगरी के

विकास कार्यों की विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र में विकास कार्य करवाये जाने के निर्देश दिए इसके साथ ही उन्होंने जयपुर सहित पर्यटन साइट्स पर स्वच्छता एवं साफ सफाई के कार्यों की चर्चा की और निर्देश दिए कि पर्यटन साइट्स पर मुख्य रूप से पेयजल की सुविधा के साथ शौचालयों की बेहतर सुविधाएं विकसित की जाए। उन्होंने पर्यटन साइट्स पर पर्याप्त संख्या में सीसी टीवी कैमरे लगाएं जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के आमेर क्षेत्र में कॉन्सेर्ट वेन्यु विकसित किये जाने की सम्भावनाओं को तलाशने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने चौड़ा रास्ता स्थित टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) के बेहतर उपयोग का प्लान बनाने के निर्देश प्रदान किये।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एनएचएआई द्वारा राज्य के चार स्थान आमेर, रणथंबोर, चित्तौड़ एवं बांसवाड़ा में स्थापित किए जाने वाले रोप वे की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही अजमेर के चामुंडा माता मंदिर पर रोप वे स्थापना हेतु कार्यवाही प्रारमभ करने के निर्देश प्रदान किए।

दिया कुमारी ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण कार्य हेतु चर्चा की। समीक्षा बैठक में पर्यटन विभाग के विभिन्न बिंदुओं जैसे अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार, लाइट एंड साउंड शो, बावड़ियों का जीर्णोद्धार, डेजर्ट टूरिज्म झुंझुनू में वार म्यूजियम के लिए चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार जैसलमेर के वार म्यूजियम पर भी चर्चा की और निर्देश दिए। टैगोर योजना पर चर्चा की गई। इसी प्रकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट पर चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने इसी प्रकार आरटीडीसी के कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

पंचायती राज राज्यमंत्री ने सिरोही में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास, पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने शनिवार को सिरोही जिले के ग्राम गोल, बरलूट, ऊड एवं ग्राम पंचायत पाडीव में हुए कार्यक्रमों में केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया तथा जन सुनवाई में लोगों के अभाव अभियोग सुने।

राज्यमंत्री देवासी ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया और कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्र के विकास एवं जन सुविधाओं के सशक्तीकरण के लिए हमारा सतत प्रयास रहेगा।

राज्य मंत्री देवासी ने कार्यक्रम के

बाद जन सुनवाई कर ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सांसद लुम्बाराम चौधरी व जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने राज्य व केन्द्र सरकार की विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ उठाने एवं जन समस्याओं से अवगत कराने की बात कही।

एम.सेण्ड इकाइयों के 109 प्लॉटों का डेलिनियेशन कर ऑक्शन होगा -प्रमुख शासन सचिव

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य में एम.सेण्ड इकाइयों की स्थापना के लिए प्लॉटों के डेलिनियेशन कर ऑक्शन की कार्ययोजना को अंतिम रुप दिया गया है। खान विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया है कि राज्य में एम. सेण्ड इकाइयों के लिए 109 प्लॉट के डेलिनियेशन और ऑक्शन की कार्ययोजना बनाई गई है जिसमें से करीब 158 हैक्टेयर के 77 प्लॉट और अवरबर्डन डंपिंग के 131 हैक्टेयर के 32 प्लॉट तैयार कर ई नीलाम किये जायेंगे। बजरी के विकल्प के रुप में एम-सेण्ड की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 26 प्लॉटों की सफल नीलामी की जा चुकी है।

टी. रविकान्त ने शुक्रवार को खनिज भवन में विभागीय अधिकारियों की बैठक में कहा कि वैध खनन को बढ़ावा देकर ही अवैध खनन पर प्रभावी रोक संभव है, इसलिए डेलिनियेशन के काम को गति देते हुए प्रधान और अप्रधान खनिजों के प्लॉट व ब्लॉक तैयार कर नीलामी में तेजी लानी होगी। राजस्व लक्ष्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य बड़ा है और उसे

हासिल करने के लिए हमें आय के नए स्रोत चिन्हित करने के साथ ही राजस्व छीजत को सख्ती से रोकना होगा। उन्होंने नई बकाया के साथ ही पुराने ओवरड्यूज की वसूली के लिए कारगर प्रयास करने की हिदायत दी।

निदेशक, खान दीपक तंवर ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही 22 मेजर मिनरल ब्लाकों की ऑक्शन प्रक्रिया आरंभ हो गई है। एम. सेण्ड, माइनर मिनरल प्लॉट, आरसीसी-ईआरसीसी के बकाया ठेकों की नीलामी प्रक्रिया जारी है।

संयुक्त सचिव आशु चौधरी ने बकाया जांच प्रकरणों, विधानसभा प्रश्नों, विभिन्न स्तरों से प्राप्त प्रकरणों और न्यायालयों के प्रकरणों में प्राथमिकता से जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त निदेशक, माइंस (मुख्यालय) महेश माथुर ने बताया कि हरियालो राजस्थान अभियान में पौधारोपण की कार्ययोजना तैयार कर ली है।

एमओयू मॉनिटरिंग सहप्रभारी संजय सक्सैना ने बताया कि राइजिंग राजस्थान समिट में हुए एमओयू को धरातल पर लाने के लिए राज्य सरकार गंभीर है, फील्ड अधिकारी अपने क्षेत्र के निवेशकों से समन्वय बनाते हुए क्रियान्वयन में तेजी लाएं।

विधायक मनीष यादव की अनुशंसा पर क्षेत्र के लिए 5 ट्यूबवेल स्वीकृत

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए पेयजल संकट से राहत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा के अनुरूप, क्षेत्रीय विधायक मनीष यादव के सतत प्रयासों और अनुशंसा के फलस्वरूप क्षेत्र में कुल 5 ट्यूबवेल स्वीकृत किए गए हैं।

इनमें से बरवाड़ा, बिलांदरपुर एवं राडावास के ट्यूबवेलों की प्रशासनिक स्वीकृति शासन द्वारा जारी कर दी गई है।

वहीं, लेटकाबास व नायाबास में प्रस्तावित शेष दो ट्यूबवेलों की स्वीकृति प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिनके आदेश शीघ्र ही जारी होने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत ट्यूबवेलों का निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। यह

पहल उन गांवों और मोहल्लों के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी, जहां लंबे समय से पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई थी।

क्षेत्रवासियों ने विधायक मनीष यादव के प्रयासों की सराहना करते हुए आशा जताई है कि आगामी गर्मी के मौसम में इसका पूर्ण लाभ मिलेगा और पेयजल संकट से राहत मिलेगी।

एसएनए-स्पर्श के चरणबद्ध विकास एवं कार्यान्वयन में राजस्थान अग्रणी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के निधि हस्तान्तरण की नवीन समयोचित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तान्तरण (एसएनए स्पर्श) के संबंध में केन्द्र व राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को शासन सचिवालय, जयपुर में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय सहित राजस्थान, हरियाणा, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश के वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

अतिरिक्त सचिव, केन्द्रीय वित्त मंत्रालय डॉ. सज्जन सिंह यादव ने नवीन प्रणाली में सफलतापूर्वक हस्तान्तरण किए जाने के लिए राजस्थान की प्रशंसा करते हुए अन्य राज्यों को भी राजस्थान की तर्ज पर उनके प्रदर्शन में सुधार लाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एसएनए-स्पर्श को लेकर प्रभावी कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएफएमएस आधुनिक सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, राज्य सरकारों को कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर के लाभार्थियों तक तेजी से, कुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेहीता के साथ पहुंचाने का अवसर दिया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त अखिल अरोरा ने राज्य का पक्ष प्रस्तुत करते हुए केन्द्र सरकार, एनपीसीआई व रिजर्व बैंक को अनेक सुझाव दिए ताकि नई प्रणाली का सुगमतापूर्वक संचालित किया जा सके। कार्यशाला में राजस्थान की ओर से परियोजना निदेशक, आईएफएमएस द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य में एसएनए स्पर्श के चरणबद्ध विकास एवं कार्यान्वयन की जानकारी दी गई। इस दौरान हरियाणा, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश राज्यों के अधिकारियों ने एसएनए स्पर्श के कार्यान्वयन की स्थिति एवं क्रियान्वयन से संबंधित विषयों से अतिरिक्त सचिव (पीएफएस) को अवगत करवाया। उल्लेखनीय है कि नई प्रणाली के अन्तर्गत केन्द्र सरकार के मंत्रालयों व राज्य सरकारों द्वारा उनकी हिस्सा राशि जस्ट-इन-टाइम के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से जारी की जाएगी, जिससे केन्द्र व राज्य सरकारों को एकमुश्त राशि जारी करने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

कार्यशाला में प्रमुख शासन सचिव, डॉ. देबाशीष पृष्टी, निदेशक बजट, बृजेश किशोर शर्मा व राज्य के विभिन्न विभागाध्यक्षों, उप महालेखा नियन्त्रक (पीएफएमएस), मुख्य महाप्रबन्धक आरबीआई, एनपीसीआई तथा वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

जोधपुर के गुड़ा बिश्नोईयां में भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिक)। जोधपुर के लूणी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गुड़ा बिश्नोईयां में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के नेतृत्व में शनिवार को ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह यात्रा तीनों सेनाओं के अदम्य शौर्य, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व तथा 'ऑपरेशन सिंदूर' की ऐतिहासिक सफलता के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सशक्त प्रतीक बनी।

पटेल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारतीय सेना की रणनीतिक दक्षता और हमारे नेतृत्व की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रमाण है। यह यात्रा न केवल इस महान सफलता का उत्सव है, बल्कि उन सैनिकों के प्रति सम्मान और गर्व का प्रतीक भी है, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित किया है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारी एकता, संप्रभुता और स्वाभिमान का प्रतीक है। आज जब देश आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बंधकर देश की सुरक्षा, प्रगति और गौरव में सहभागी बने। पटेल ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और सुरक्षाकर्मियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को सशक्त करते हैं और हमें हमारे कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देते हैं।

नागरिकों ने रैली में बढ़-चढ़ कर लिया भाग-

इस विशाल रैली में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्कूली बच्चों, युवाओं, महिलाओं और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। देशभक्ति के गीतों की धुनों पर तिरंगा लहराते हुए प्रतिभागियों ने राष्ट्र के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और समर्पण का परिचय दिया। इस दौरान गाँव के भूतपूर्व सैनिकों का स्वागत भी किया गया।

कार्यक्रम में राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई सहित जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जिला स्तरीय जनसुनवाई में फिर उठा चौमूं नहर का मुद्दा

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनसुनवाई के दौरान चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने एक बार फिर चौमूं शहर की ऐतिहासिक नहर के संरक्षण व पुनरुद्धार का मुद्दा उठाया। उन्होंने जिला प्रशासन को अवगत करवाते हुए बताया कि चौमूं की नहर चौमूं की ऐतिहासिक संस्कृति की पारंपरिक धरोहर है जिसे वर्तमान में कुछ विशेष लोगों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से योजनाबद्द तरीके से इसे नष्ट किया जा रहा है उन्होंने कहा कि नहर को यथावत रखते हुए भी सड़क निर्माण संभव है लेकिन जन सुविधा और अस्पताल मार्ग की आवश्यकता बताकर वर्षों पुरानी इस ऐतिहासिक नहर को नष्ट कर निजी हित में पार्किंग सुविधा विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि ऐसी ऐतिहासिक धरोहरों को (नहर) को मिटाया नहीं सहेजा जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया की नहर की स्थिति की वास्तविक रिपोर्ट तैयार करवाई जाए ताकि नहर को कानूनी व प्रशासनिक रूप से पुनरुद्धार कर शहर के ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण किया जाएं। उन्होंने अवगत करवाया है कि उक्त मामले को लेकर अभी हाल ही में कुछ दिनों पूर्व मुख्यमंत्री को भी पत्र प्रेषित किया जा चुका है जिसमें उन्होंने उच्च स्तरीय विवाद के जांच और नहर के पुनरुद्धार के लिए योजनाबद्ध कार्यवाही की मांग की है इसके अलावा उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के अन्य विकास के मुद्दों को भी जनसुनवाई में उठाया।

मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति द्वारा संचालित 'गरीब नवाज Hi-Tech लाइब्रेरी' और कोचिंग क्लास का उद्घाटन समारोह

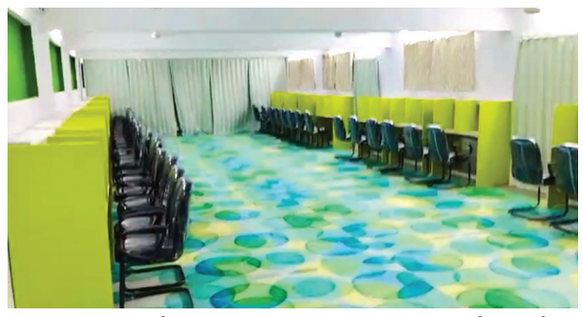

पाली, (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा और इल्म से मोहब्बत रखने वाले युवाओं के लिए पाली में एक ऐतिहासिक पहल होने जा रही है। मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली द्वारा संचालित 'गरीब नवाज हाई – टेक लाइब्रेरी व कोचिंग क्लास' का उद्घाटन 18 मई 2025, रविवार को राजेश्वर वाटिका, पटेल छात्रावास, खोड़िया बालाजी रोड, पाली में किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान के प्रमुख उलेमा, पुलिस प्रशासन, न्यायिक क्षेत्र और शिक्षा जगत के विशिष्ट जन एक मंच पर उपस्थित रहेंगे। मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति के अध्यक्ष मेहराज अली चूड़ीगर ने बताया कि मुख्य अतिथि मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिज़वी, मुफ्ती रईस अहमद साहब मंजरी, और मौलाना मुश्ताक अहमद साहब होंगे। विशेष मेहमाने-खास में नूर मोहम्मद राठौड़ एडिशनल एस.पी. नागौर, एडवोकेट गोवर्धन सिंह राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर, रमजान सिंधी एसीपी सेन्ट्रल, जोधपुर,एडवोकेट रज्जाक के. हैदर हाईकोर्ट जोधपुर, फिरोज खान हेड कॉन्स्टेबल, एस.पी. ऑफिस, पाली, आलम अली सेवानिवृत्त एडीपीसी, जोधपुर प्रमुख हैं। फाउंडेशन के कार्यालय प्रभारी मोहम्मद फैजान ने बताया कि कार्यक्रम में पाली के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और समाजसेवी भी मौजूद रहेंगे, जिनमें पाली विधायक भीमराज भाटी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, हकीम भाई मुस्लिम समाज सदर, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सी.पी. जायसवाल, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप करमचंदानी, सहायक निदेशक सोहनलाल भाटी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र सैय्यद रज़्ज़ाक अली, प्रशासनिक अधिकारी रफीक मोहम्मद कलेक्ट्रेट पाली, संजय ओझा पूर्व यू.आई.टी. चेयरमैन, पाली, हाजी रफीक नागौरी एफ.ए. सीमेंट एजेंसी, जहीर मकरानी पप्पु टेंट हाउस, मेहबूब टी. पूर्व कांग्रेस शहर ब्लॉक अध्यक्ष, सलीम एम.डी. सदर वक्फ कमेटी, अजीज कोहिनूर भाजपा नेता, आसिफ अली जिला अध्यक्ष एआईएमआईएम, आदि रहेंगे। इस पुस्तकालय का उद्देश्य जरूरतमंद, मेहनती और इल्म से जुड़ाव रखने वाले युवाओं को आधुनिक अध्ययन संसाधन और प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग सुविधाएं प्रदान करना है। फाउंडेशन कार्यकारिणी के सभी सक्रिय सदस्य इस परियोजना को सफल बनाने में वहीद खान अशरफी (लाइब्रेरी प्रभारी), परवेज अंसारी, खालिद कादरी, सत्तार भाटी, मोहम्मद अय्युब सुलेमानी, इंसाफ सोलंकी मुकद्दर अली, साबिर भाटी, सत्तार पठान, अली अंसार भाटी, मोहम्मद फैजान आरटीआई, हुसैन अजमेरी, मोहम्मद यासीन सबावत, सदाकत अंसारी, जावेद अली जिलानी, अकरम शाह अशरफी, फिरोज सामरिया, इस्माईल गौरी आदि जुटे हुए हैं।

मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना से राजकीय विद्यालय भूखवा को मिलेगी, 1 लाख 90 हजार की विकास निधि

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा संचालित अभिनव कार्यक्रम "भविष्य की उड़ान" से प्रेरित होकर ग्राम भूखा निवासी रेलवे कार्मिक टीकाराम मीना द्वारा 51 हजार रूपये तथा पूर्व प्रधानाचार्य अब्दुल बारी द्वारा 25 हजार रूपये की राशि ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भूखा को दान की गई।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अलीमुद्दीन खान ने उक्त 76 हजार रूपये की राशि का चैक मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना के अंतर्गत जमा कराने हेतु समग्र शिक्षा कार्यालय में एडीपीसी समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता को कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीना एवं अन्य शिक्षा अधिकारीगण की उपस्थिति में सुपुर्द किया।

एडीपीसी दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि "भविष्य की उड़ान" व मुख्यमंत्री जनसहभागिता योजना के माध्यम से जिले के सरकारी विद्यालयों की आधारभूत संरचना को मजबूत किया जा रहा है, जिससे छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

कार्यक्रम अधिकारी हेमराज मीना ने बताया कि इस दान राशि में राज्य सरकार द्वारा 60 प्रतिशत अंशदान 1 लाख 14 हजार रूपये मिलाकर विद्यालय को कुल 1 लाख 90 हजार रूपये की निधि प्राप्त होगी। इस राशि से विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति द्वारा कंप्यूटर सेट, फर्नीचर क्रय तथा अन्य भौतिक विकास कार्य करवाए जाएंगे।

इस दौरान कनिष्ठ अभियंता चंद्रप्रकाश शर्मा, सहायक लेखाधिकारी पुखराज गौड़, सहायक प्रशासनिक अधिकारी दीपक शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कोटा महिला कांग्रेस द्वारा भाजपा मंत्री विजय शाह और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के शर्मनाक बयानों के विरोध में किया पुतला दहन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। आज महिला कांग्रेस कोटा शहर जिलाध्यक्ष एवं पार्षद शालिनी गौतम के नेतृत्व में संतोषी नगर चौराहा पर महिला कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह और मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के घोर आपत्तिजनक और निंदनीय बयानों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया और दोनों नेताओं का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन दौरान महिला कांग्रेस पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस कमिटी महासचिव राखी गौतम भी मौजूद रहीं।

विजय शाह ने देश की गौरवशाली बेटी एवं भारतीय सेना की शौर्यवान अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहकर न केवल वीरांगना का अपमान किया बल्कि सेना और समूचे राष्ट्र की नारी शक्ति का भी घोर अपमान किया है। वहीं, उप मुख्यमंत्री द्वारा भी महिलाओं को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी ने पूरे प्रदेश की नारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

इन शर्मनाक और निंदनीय टिप्पणियों से आक्रोशित महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं, जिला कांग्रेस कमिटी पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस, मण्डल कांग्रेस, पार्षद, सेवादल पदाधिकारी व अग्रिम संगठन पदाधिकारीयों सहित स्थानीय नागरिकों ने संतोषी नगर चौराहे पर एकत्रित होकर विजय शाह और जगदीश देवड़ा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाज़ी करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि "भारत की बेटियों का अपमान अब नहीं सहेगा हिंदुस्तान।"

महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस कमिटि महासचिव राखी गौतम ने भाजपा के नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री, मप्र सरकार के मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को "आतंकवादियों की बहन" कहा है, जो कि पूर्ण रूप से शर्मसार है, उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर, देशद्रोह का मुकदमा भी दर्ज किया जाए!

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष व पार्षद शालिनी गौतम ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर ये नेता देश की बहादुर बेटियों और महिलाओं के सम्मान को बार-बार ठेस पहुंचा रहे हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी जैसी अधिकारी देश की शान हैं और उनके खिलाफ दिया गया बयान देश की हर महिला और सैनिक का अपमान है। महिला कांग्रेस ऐसे बयानों की घोर निंदा करती है और तब तक शांत नहीं बैठेगी जब तक इन नेताओं को उनके पदों से बर्खास्त नहीं किया जाता।

महिला कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि विजय शाह और जगदीश देवड़ा को उनके पदों से तत्काल बर्खास्त किया जाए और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए बाध्य किया जाए।

इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और युवाओं ने भाग लिया और नारेबाज़ी कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रमोद त्रिपाठी, सुभाष सैनिक, अनुराग गौतम, अंकुर गौतम, नरोतम शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष जॉन्टी बीरवाल, जयेश श्रृंगी, प्रफुल पाठक, मंडल अध्यक्ष संजय जैन, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रेम लाहौरिया, डॉ सौभागमल, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव इनायत अली, प्रदेश कॉर्डिनेटर आशीष गुर्जर, अंकित पांचाल, ब्लॉक उपाध्यक्ष रमेश यादव, जिला महासचिव दीपक नागर, जिला सचिव वसीम भाटी, राहुल पुरुसवानी विष्णु गौतम, पूर्व सरपंच राजेंद्र खंडेलवाल, दीनदयाल नरवाला, रविन्द्र जोशी, सिंधी समाज अध्यक्ष निरंजन मेघानी, दीपक योगी, भगवान सिंह भाटी, करण सिंह नायक, आशीष नागर, महिला कांग्रेस पदाधिकारी राजदेवी चंदेल, लाड़ कंवर गोचर, संगीता सिसोदिया, अप्सरा अंसारी, पुष्पा गौतम, जाहिदा खानम, हेमलता यादव, चंद्रकला यादव, अमित दाधीच, पूर्व जिला पदाधिकारी मुकेश योगी, गोपाल गुप्ता, कैलाश पेशवानी, मनीष चौहान, रविन्द्र सिंह शक्तावत, नितेश पंकज, कृष्णा मेहरा, मनीष मेहता, लव बना, प्रमेंद्र आर्य, सिकंदर नायक, हीरालाल मीणा, सोनू बंसल, गौरव योगी, गजेंद्र सिंह, सुमित शर्मा, विक्की गौतम, वीरेंद्र सिंह सिसोदिया, वीरेंद्र यादव, हेमंत शर्मा, शिवराज गुर्जर, सिद्दीकी अंसारी, अमन खान, कुणाल शर्मा, सुरेन्द्र भील, पंकज जागा, बंटी पंकज, जीतू मीमरोट, पवन जांगिड़, अटल खंडेलवाल, प्रियांशु सिंघल, रोहित मीना, प्रमोद पांचाल, दीपक जायसवाल, शशांक सैनिक, सनी हुसैन, मुकुट बिहारी सैन, जीतू नागर, उमेश रेनवाल, को शुभम वैष्णव, हेमराज दाधीच, हिमांशु गौतम, दुष्यंत, रतन जैन, कल्याण यादव, अशोक मखीजा, श्याम शर्मा, शोएब, वासु, शाकिर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने रुक्मणी वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम ने शनिवार को रुक्मणी वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान 3 पुरुष एवं 6 महिला वृद्धजन सहित कुल 9 वृद्धजन उपस्थित पाये गये। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित वृद्धजनों से वार्ता की गई और उन्हें दी जा रही भोजन, पेयजल एवं चिकित्सकीय सुविधाओं व अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली गई। उपस्थित वृद्धजनों द्वारा अवगत करवाया गया कि वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त कूलर लगे हुए हैं, परंतु उन्हें चलाया नहीं जाता है। इस कारण उन्हें गर्मी के मौसम में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा रूक्मणी वृद्धाश्रम के प्रबंधक प्रदीप मेरोठा को गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए मौसमानुकूल इंतजाम करने एवं कूलरों को चलवाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सचिव समीक्षा गौतम द्वारा वृद्धाश्रम परिसर में स्थित रसोईघर, स्नानागार एवं शौचालय की साफ-सफाई आदि के संबंध में जांच की गई, दौराने निरीक्षण वृद्धाश्रम परिसर में स्थित रसोईघर, स्नानागार एवं शौचालय की साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। उपस्थित वृद्धजनों द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के प्रयासों से वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को प्रदान चिकित्सकीय सुविधाओं में सुधार हुआ है। वर्तमान में वृद्धाश्रम में नियमित रूप से चिकित्सक की विजिट की जाकर वृद्धजनों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

साझेदारी मोड के तहत नए सैनिक स्कूलों के लिए पंजीकरण के चौथे दौर के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोला गया

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। रक्षा मंत्रालय ने सैनिक स्कूल सोसाइटी के तहत राज्य सरकार https://sainikschoolsociety.in एनजीओ/निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने की सरकार की पहल के तहत पात्र और इच्छुक आवेदक स्कूलों के पंजीकरण के लिए 15 मई, 2025 से 14 जून, 2025 तक एक ऑनलाइन वेब पोर्टल (https://sainikschoolsociety.in) खोला है। इच्छुक स्कूल/ट्रस्ट/एनजीओ आदि पंजीकरण के लिए वेब पोर्टल पर जा सकते हैं और इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का भारत सरकार का लक्ष्य न केवल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने सहित बेहतर करियर के अवसर प्रदान करना है,

बल्कि राज्य सरकार/एनजीओ/निजी क्षेत्र को राष्ट्र निर्माण की दिशा में केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने का अवसर प्रदान करना भी है। इस दिशा में, रक्षा मंत्रालय ने 86 निजी/एनजीओ/राज्य सरकार के स्कूलों को नए सैनिक स्कूलों के रूप में मंजूरी दी है।

ये नए सैनिक स्कूल, संबंधित शिक्षा बोर्डों से संबद्ध होने के अलावा, सैनिक स्कूल सोसाइटी के तत्वावधान में काम करेंगे और सोसाइटी द्वारा निर्धारित भागीदारी मोड में नए सैनिक स्कूलों के लिए नियमों और विनियमों का पालन करेंगे। अपने नियमित संबद्ध बोर्ड पाठ्यक्रम के अलावा, वे सैनिक स्कूल पैटर्न पर छात्रों को अकादमिक-प्लस पाठ्यक्रम की शिक्षा भी प्रदान करेंगे।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियो का आयोजन किया गया। और अगले एक माह तक पूरे जिले में अलग अलग स्थानों पर जागरूकता गतिविधियो का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि शनिवार को विश्व रक्तचाप दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य आमजन को उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) के प्रति जागरूक करना और इससे बचाव के उपायों की जानकारी देना था। जिला चिकित्सालय से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में स्वास्थ्य कर्मी, नर्सिंग शिक्षक, नर्सिंग विद्यार्थी आदि शामिल रहे। प्रतिभागियों ने "नमक कम, सेहत ज़्यादा - रखें ब्लड प्रेशर को कंट्रोल वाला वादा। "उच्च रक्तचाप से मत घबराओ, सही जीवनशैली अपनाओ। "तनाव नहीं, आराम अपनाओ - ब्लड प्रेशर से बच जाओ। "नियमित जांच है जरूरी, बीपी रहेगा दूरी। "संतुलित आहार, नियमित व्यायाम - बीपी रहेगा हमेशा आराम। "धूम्रपान और शराब छोड़ो, बीपी से जीवन जोड़ो। "बीपी को कहो टाटा-बाय, हेल्दी लाइफस्टाइल ही है उपाय। "नियमित जांच से रहे सुरक्षित", तथा "संतुलित आहार और व्यायाम अपनाएं"। आदि नारे लगा कर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएमएचओ डॉ. अमित कुमार सोनी, चिकित्सा कर्मी अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिले भर में सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों में मरीजों की ब्लड प्रेशर व डायबिटीज़ की निशुल्क जांच कर परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही मरीजों को इनसे बचने, बीमारी को चिकित्सकीय परामर्श व दवाओं के माध्यम से संतुलित रखने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित जांच और बीमारी की मॉनिटरिंग रखने के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में एक माह तक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से हाई बीपी रोकने के उपाय व बचाव के तरीके बताए जाएंगे। किस प्रकार अच्छी जीवन शैली अपनाकर हाई बीपी से बचा जा सकता है। वर्तमान में विश्व में असामयिक मृत्यु का एक कारण हृदय रोग व उच्च रक्तचाप भी है। स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर हृदय रोग, उच्च रक्तचाप से होने वाली मृत्यु को काफी कम किया जा सकता हैं। उच्च रक्तचाप के बारे में आमजन को जारूगरूक करने के लिए सभी के लिए "कार्डियोवास्कुलर हैल्थ फॉर एवरी वन" थीम पर गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में 17 मई से 16 जून तक माह तक हाइपरटेंशन जागरूकता से संबंधित जागरूकता कैम्पेन चलाया जाएगा। इसके तहत कैम्प का आयोजन कर स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके तहत साइकिल रैली, मैराथन जागरूकता रैली, वॉल पेंटिंग, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन पर जागरूकता कैम्प, क्विज, सेमीनार, शॉर्ट फिल्म, टॉक शो, स्लोगन लेखन, नुक्कड़ नाटक, ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता स्क्रीनिंग शिविर, वैबिनार, ट्रेनिंग आदि का आयोजन किया जाएगा। उच्च रक्तचाप से बचें:- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस प्रकार के आयोजन करने का उद्देश्य लोगों में यह समझ पैदा करना है कि उच्च रक्तचाप की समय रहते पहचान और नियंत्रण ही बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी है। हर व्यक्ति को नियमित जांच करवानी चाहिए। विशेष तौर पर 30 वर्ष की उम्र के बाद नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करवानी चाहिए।

संतुलित आहार लेना चाहिए। स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर, नमक का सेवन कम कर, फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाला दूध का सेवन कर व तली-भुनी, अधिक नमक और तेल वाली चीजों से परहेज कर नियमित व्यायाम करना चाहिए। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट टहलना, योग या हल्का व्यायाम करना चाहिए। तनाव रहित रहना, सकारात्मक सोच अपनानी चाहिए। पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। धूम्रपान और शराब से दूरी रखें, ये दोनों उच्च रक्तचाप के प्रमुख कारणों में से हैं। वजन नियंत्रित रखें। मोटापा उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ाता है।

दवाइयाँ चिकित्सक की सलाह से ही लें। यदि हाई बीपी की दवा चल रही है तो उसे नियमित रूप से लें, बिना डॉक्टर की सलाह के न बंद करें। पानी अधिक पिएं। दिन भर में 7-8 गिलास पानी जरूर पिएं।

जीवन में शिक्षा से ही उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है : भाटी

सोजत, (रॉयल पतिरक)। स्थानीय विजय आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय सोजत में सत्र 2024-25 का परीक्षा परिणाम जारी किया तथा कक्षा 1 से 9 तक के छात्रों को अंकतालिकाएं दी गईं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व खेल अधिकारी सत्तूसिंह भाटी ने कक्षा 9, विशिष्ट अतिथि साहित्यकार अब्दुल समद राही ने कक्षा 7, व्यवस्थापक दिनेश सोलंकी ने कक्षा 4-6 तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेमचंद लोहार ने कक्षा 1,2,3 में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अंकतालिकाएं देते हुए बधाई तथा शुभकामनाएं दीं। ऐजान् खान पुत्र संजय खान पूरे स्कूल मे प्रथम रहा। जिसकी खूब प्रशंसा की गई।

इस मौके पर मुख्य अतिथि सत्तू सिंह भाटी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा से ही उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। विद्यालय के व्यवस्थापक दिनेश सोलंकी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा समस्त विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपको अपनी उच्च शिक्षा एवं संस्कारों से अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करना है। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार अब्दुल समद राही ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा बिना जीवन अधुरा है।

इस मौके पर शाहबाज खान, पुनम भटनागर, निरमा प्रजापत, दुर्गेश व्यास, गजेंद्र सिंह माफावत, विजय लक्ष्मी दवे, हर्षिता राजपुरोहित, कौशल्या देवी, सत्यनारायण दवे व छात्र अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सरस संचालन परीक्षा प्रभारी दुर्गेश व्यास ने किया।

अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह 2025: उदयपुर में हुआ भव्य आयोजन

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में "अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह 2025" एवं सम्मेलन की कार्यसमिति बैठक का आयोजन शनिवार को सुखाड़िया रंगमंच, टाउन हॉल, नगर निगम प्रांगण में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन समाज के गौरव, योगदान और सामाजिक एकता को समर्पित एक प्रेरणादायक पहल रहा।

समारोह में गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल ने मंच से संबोधित करते हुए इस उत्कृष्ट कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विशेष रूप से अग्रवाल समाज के उन होनहार युवक-युवतियों को भी बधाई दी जिन्होंने आर.जे.एस. (राज्य न्यायिक सेवा परीक्षा) उत्तीर्ण कर समाज और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। अग्रवाल ने माननीय न्यायमूर्ति विनीत माथुर की उपस्थिति को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा में "चार चाँद" लगा दिए। इसके साथ ही उन्होंने समाज के सभी सदस्यों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूक जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा भी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष के.के. गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश माननीय विनीत माथुर की उपस्थिति ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति मनोज गर्ग ने समाज की न्यायिक जिम्मेदारियों और भूमिका पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि दामोदर अग्रवाल (सांसद, भीलवाड़ा) रहे, जिनकी उपस्थिति ने समारोह को और भी गौरवमयी बना दिया।

समारोह का शुभारंभ प्रातः 9 बजे हुआ, जिसके उपरांत सभी अतिथियों के लिए सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई। दोपहर 3 बजे से कार्यसमिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें संगठनात्मक विषयों व समाज की आगामी योजनाओं पर चर्चा हुई।

इस अवसर पर के.के. गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक "प्रयास से परिणाम तक" का भव्य विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा, जल संचयन एवं जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित है। इस पुस्तक में देश के कई प्रमुख नेताओं व न्यायाधीशों के शुभकामना संदेश शामिल हैं, पुस्तक में डूंगरपुर शहर को स्वच्छ बनाने के प्रयासों की यात्रा को विस्तार से दर्शाया गया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के उद्देश्य से जुड़ा है। इस पुस्तक के माध्यम से युवाओं, पुरुषों और महिलाओं को देश की स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस आयोजन को सफल बनाने में अग्रवाल समाज, जिला अग्रवाल सम्मेलन, जिला अग्रवाल महिला समिति एवं उदयपुर जिला अग्रवाल युवा सम्मेलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रमुख पदाधिकारियों में डॉ. नवनीत अग्रवाल (संरक्षक), विक्रम अग्रवाल (अध्यक्ष), नलिन गुप्ता (महामंत्री), नितेश बैराठी (कोषाध्यक्ष), गजेंद्र अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) एवं हनुमान गुप्ता (उपाध्यक्ष) प्रमुख रूप से सक्रिय रहे।

सरकारी गेंहू के गबन के मामले में राशन डीलर के खिलाफ एफआईआर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाले गेंहू के गबन के एक गंभीर मामले में मलारना डूंगर क्षेत्र के राशन डीलर चतुर्भुज मंगल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह कार्रवाई जिला रसद अधिकारी के निर्देशानुसार प्रवर्तन निरीक्षक कीर्तेश मीना द्वारा मलारना डूंगर पुलिस थाने में कराई गई है।

प्राथमिक जांच में राशन डीलर द्वारा लगभग 146 क्विंटल सरकारी गेंहू के गबन की पुष्टि हुई है, जो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित राशन डीलर को पहले ही निलंबित कर उसका लाइसेंस निरस्त किया जा चुका है।

रसद विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई की जा रही है ताकि आमजन को उनके अधिकारों के अनुसार शुद्ध एवं समय पर राशन प्राप्त हो सके।

न्युवोको ने छत्तीसगढ़ के रिस्दा सीमेंट प्लांट में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

रिस्दा, (छत्तीसगढ़)। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, क्षमता के मामले में भारत का पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह, रिस्दा, छत्तीसगढ़ के रिस्दा सीमेंट प्लांट में महिलाओं के लिए मासिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर रहा है। यह शिविर सरकारी स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रोजेक्ट तारा के तहत न्युवोको की इस महत्वपूर्ण सीएसआर पहल स्वस्थ भारत के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाता है। स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा (क्वालिटी हेल्थकेयर) की उपलब्धता को आसान बनाना है। इनमें मातृ स्वास्थ्य, पुरानी बीमारियों का जल्द पता लगाना, स्वच्छता जागरूकता और पोषण शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इस दौरान महिलाओं को निवारक, डायग्नोस्टिक और थेरेप्यूटिक केयर प्रदान करके, ये शिविर सुविधाओं से वंचित समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवा की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक शिविर में एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया का पालन किया जाता है, जिसकी शुरुआत रजिस्ट्रेशन और बायोमेट्रिक स्क्रीनिंग (वजन, ऊंचाई, ब्लडप्रेशर और शुगर लेवल सहित) से होती है, इसके बाद लैबोरेट्री टेस्टों और गाइनोकॉलोजिस्ट द्वारा व्यापक कंसल्टेशंस होता है। मेडिकल जांच के बाद, निःशुल्क दवाइयां और न्यूट्रीशन किट प्रदान की जाती हैं। शिविर नियमित रूप से रिस्दा सीमेंट प्लांट के पास के 8 से 10 गांवों की महिलाओं की सेवा करते हैं जिनमें रिस्दा, कुकुरदी, ढंढनी, परसाभादर, सेमराडीह, कोकड़ी, भाटागांव, ठेलकी, चंपा, सैहा, दशरमा, खैरवरडीह, करमांधी शामिल हैं।

रवीश गाला, प्लांट हेड, रिस्दा सीमेंट प्लांट ने कहा, न्युवोको में, हमारा लक्ष्य आसपास रहने वाले समुदायों के साथ साझेदारी के माध्यम से सार्थक बदलाव लाना है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता और साझा मूल्य में वृद्धि हो। यह

भारतीय उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट, इंटेलीजेंट और शानदार स्क्रीन लेकर आया

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपने 2025 के अल्ट्रा-प्रीमियम टीवी मॉडलों को लॉन्च किया। इनमें नियो क्यूएलईडी 8के, नियो क्यूएलईडी 4च्, ओएलईडी, क्यूएलईडी टीवी और द फ्रेम शामिल हैं। इन टीवी में नई सैमसंग विजन एआई टेक्नोलॉजी दी गई है, जो अगली पीढ़ी की एआई क्षमताओं के साथ शानदार होम एंटरटेनमेंट का अनुभव देती है। यह तकनीक टीवी को स्मार्ट बनाती है, जिससे रोजमर्रा का जीवन और बेहतर होता है। सैमसंग ने एक बार फिर अपनी इनोवेशन की प्रतिबद्धता दिखाई है। विप्लेश डांग, सीनियर डायरेक्टर, विजुअल डिस्प्ले बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, ''भारतीय घरों में टीवी की भूमिका बदल गई है - अब यह सिर्फ कंटेंट देखने के लिए नहीं, बल्कि स्मार्ट और कनेक्टेड जीवनशैली के लिए है। सैमसंग विजन एआई के साथ, हमारी अब तक की सबसे बड़ी प्रीमियम टीवी रेंज में, हम भविष्य के लिए तैयार टीवी अनुभव दे रहे हैं, जो शानदार तस्वीरों से कहीं आगे है।

भारत के अकाउंटेंट्स में प्रबल हुई उद्यमशीलता की भावना

63 प्रतिशत की नजर स्टार्टअप पर

मुंबई , एजेंसी। एसीसीए (एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स) का नवीनतम वार्षिक वैश्विक टैलेंट ट्रेंड सर्वेक्षण 2025, अकाउंट और फाइनेंस पेशेवरों के बीच बदलते दृष्टिकोण के प्रति नियोक्ताओं को सचेत करता है, तथा यह इस बारे में एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करता है कि लोग कार्यस्थल पर अपने जीवन और भविष्य की करियर आकांक्षाओं के बारे में कैसा महसूस करते हैं। अपने तीसरे वर्ष में, यह दुनिया भर में अकाउंटेंसी और वित्त पेशेवरों का सबसे बड़ा वार्षिक टैलेंट सर्वे है। भारत सहित 175 देशों के 10,000 से अधिक व्यक्तियों ने करियर महत्वाकांक्षाओं, हाइब्रिड वर्किंग और समावेशिता प्रथाओं से लेकर अपस्किलिंग, मानसिक स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी मुद्दों पर हमारे सर्वे में जवाब दिया। इंडिया टैलेंट ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट देश से प्राप्त निष्कर्षों के बारे में पूरी जानकारी देती है।

रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज किया शानदार प्रदर्शन

मुंबई । भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में शुमार रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आरएनएलआईसी) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने प्रमुख प्रदर्शन मापदंडों में स्थिरता और उत्कृष्टता का परिचय दिया, साथ ही ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और परिचालन दक्षता को और मजबूत किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरएनएलआईसी ने 247 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) हासिल किया, जो पिछले वर्ष (2023-24 में 198 करोड़ रुपये) की तुलना में 25 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां 38,725 करोड़ रुपये तक पहुंची।

पीडब्ल्यू की प्रज्ञा जैस्वाल ने एमपी बोर्ड कक्षा 10 में टॉप किया

भोपाल। एजुकेशन कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के एमपी बोर्ड बाला ने कक्षा 10वीं के मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के परिणामों में शानदार प्रदर्शन करने वाले अपने छात्रों की सफलता का जश्न मनाया। पीडब्ल्यू के 10 छात्र राज्य के टॉप 10 रैंकर्स में शामिल हैं। इस सूची में शामिल हैं - प्रज्ञा जैस्वाल(रैंक 1), आयुष द्विवेदी (रैंक 2), अनुराग कुमार साहू (रैंक 5), सौरभ त्रिपाठी और वैष्णवी शुक्ला (रैंक 6), वेदिका पटेल (रैंक 7), अभिमन द्विवेदी और आयुष प्रजापति (रैंक 8), शुभम तिवारी (रैंक 9), और वेदिका चौरसिया (रैंक 10)। ये सभी छात्र पीडब्ल्यू के उड़ान और रूद्र स्कूबोर्ड वाला बैचों का हिस्सा थे, जो स्कूबोर्ड के छात्रों को संरचित पढ़ाई और नियमित मूल्यांकन के माध्यम से मदद करते हैं। इसके अलावा, 248 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

भारत के अकाउंटेंट्स में प्रबल हुई उद्यमशीलता की भावना; 63 प्रतिशत की नजर स्टार्टअप पर

मुंबई , एजेंसी। एसीसीए (एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स) का नवीनतम वार्षिक वैश्विक टैलेंट ट्रेंड सर्वेक्षण 2025, अकाउंट और फाइनेंस पेशेवरों के बीच बदलते दृष्टिकोण के प्रति नियोक्ताओं को सचेत करता है, तथा यह इस बारे में एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करता है कि लोग कार्यस्थल पर अपने जीवन और भविष्य की करियर आकांक्षाओं के बारे में कैसा महसूस करते हैं। अपने तीसरे वर्ष में, यह दुनिया भर में अकाउंटेंसी और वित्त पेशेवरों का सबसे बड़ा वार्षिक टैलेंट सर्वे है। भारत सहित 175 देशों के 10,000 से अधिक व्यक्तियों ने करियर महत्वाकांक्षाओं, हाइब्रिड वर्किंग और समावेशिता प्रथाओं से लेकर अपस्किलिंग, मानसिक स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी मुद्दों पर हमारे सर्वे में जवाब दिया। इंडिया टैलेंट ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट देश से प्राप्त निष्कर्षों के बारे में पूरी जानकारी देती है।
कई लोगों ने अकाउंटेंसी को उद्यमशीलता की महत्वाकांक्षाओं और टैलेंट के लिए प्रवेश द्वार के रूप में बताया है।

गोदरेज डीईआई लैब और वेस्टलैंड बुक्स ने 'क्विअर डायरेक्शन्स' नामक एलजीबीटीक्यूआईए+ पब्लिशिंग इम्प्रिंट लॉन्च किया

इस वर्ष नॉन-फिक्शन साहित्य, कविता और अन्य विधाओं में छह किताबें होंगी प्रकाशित

मुंबई , एजेंसी। गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह की विविधता और समावेशन पहल गोदरेज डीईआई लैब और वेस्टलैंड बुक्स ने आज 'क्विअर डायरेक्शन्स' नामक एक नई पब्लिशिंग इम्प्रिंट की घोषणा की — जो एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय की आवाज़ों को गैर-काल्पनिक साहित्य, कविता और भविष्य में उपन्यास सहित विभिन्न विधाओं में प्रकट करने के लिए समर्पित है। इस साझेदारी के तहत इस वर्ष छह ऐसी आकर्षक किताबों के प्रकाशन की योजना है, जो समावेशी कहानी कहने और प्रतिनिधित्व को मजबूती से बढ़ावा देती है। क्विअर डायरेक्शन्स का मूल उद्देश्य क्विअर अभिव्यक्ति, पहचान और जीवन अनुभवों का उत्सव मनाना है।

टाटा प्ले बिंज और बीबीसी प्लेयर का गठबंधन भारत में दिलचस्प ब्रिटिश मनोरंजन लेकर आया

बीबीसी प्लेयर द्वारा टाटा प्ले बिंज के सदस्य ब्रिटिश डॉक्युमेंट्री, ड्रामा, कॉमेडी, किड्स शो आदि देख सकेंगे।

मुंबई, एजेंसी। टाटा प्ले बिंज ने बीबीसी प्लेयर के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी द्वारा टाटा प्ले बिंज के ग्राहक दुनियाभर में मशहूर ब्रिटिश मनोरंजन प्राप्त कर सकेंगे। वो पुरस्कार विजेता फिल्में और कार्यक्रम देख सकेंगे। यह साझेदारी भारतीय दर्शकों की पसंद का मनोरंजन पेश करने की ओर टाटा प्ले बिंज की एक महत्वपूर्ण पहल है। बीबीसी प्लेयर पर ड्रामा, कॉमेडी, डॉक्युमेंट्री, बच्चों और परिवारों के लिए एनिमेटेड सीरीज़, रोमांचक थ्रिलर और प्रेरणाप्रद कार्यक्रम उपलब्ध हैं। दर्शक बीबीसी के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम जैसे लूथर, प्राईड एंड प्रेज्युडिस, डॉक्टर हू और टॉप गियर के साथ आलोचकों द्वारा सराही गई सीरीज़, जैसे ग्रांड इंडियन होटल, सिटिजन खान, मि. बीन और द ग्रेट ब्रिटिश बेक ऑफ भी देख सकेंगे। खाने-पीने के शौकीनों के लिए मशहूर शेफ निगेला लॉसन का निगेलाज़ कुक, ईट, रिपीट और जेमी ओलिवर का जेमी ओलिवरः कुकिंग फॉर लेस है। बीबीसी प्लेयर पर प्लैनेट अर्थ जैसे विशेष ऐतिहासिक कार्यक्रम भी हैं। युवाओं के लिए एंडीज़ एक्ट्रेटिक एडवेंचर, जोजो एंड ग्रैन ग्रैन और जूनियर बेक ऑफ जैसे दिलचस्प कार्यक्रम हैं। इसलिए यहाँ पर परिवार के हर सदस्य को कुछ न कुछ मिलेगा। इस साझेदारी के बारे में टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा, ''यह साझेदारी एक ही जगह दर्शकों को सम्पूर्ण मनोरंजन प्रदान करने का हमारा उद्देश्य प्रदर्शित करती है। हमारी पेशकशें बीबीसी स्टूडियो की शानदार कहानियों और कार्यक्रमों के साथ और ज्यादा मजबूत होंगी। हमें विश्वास है कि दर्शकों को यह साझेदारी बहुत पसंद आएगी।

अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिपः 18 राज्यों की 2.5 लाख छात्राओं के लिए

बेंगलुरु, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन ने छात्राओं के लिए अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप की घोषणा की है। छात्राओं को यह स्कॉलरशिप अपनी उच्च शिक्षा (स्नातक) जारी रखने या पाने के लिए प्रदान की जाएगी। इस स्कॉलरशिप की मुख्य विशेषताएँ, अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने के लिए छात्रा का किसी सरकारी स्कूल या म्युनिसिपल स्कूल से कक्षा 10 और 12 उत्तीर्ण करना आवश्यक है। यह स्कॉलरशिप पाने वाली छात्राओं को अपनी स्नातक/ डिप्लोमा की पढ़ाई पूरी होने तक हर साल 30,000 रुपये प्रदान किए जाएँगे। अगर कोई छात्रा 4 वर्षों का बीएससी नर्सिंग कोर्स कर रही हैं, तो वह इन चार वर्षों में 1,20,000 रुपयों की सहायता प्राप्त करेगी। यह धनराशि हर साल दो किस?तों में छात्रा के बैंक खाते में सीधे भेजी जाएगी।

भोपाल नीति संवाद में मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कृषि में केंद्रित जलवायु कार्रवाई की दी जोरदार वकालत

भोपाल। जलवायु परिवर्तन को भारतीय कृषि के लिए एक तात्कालिक और गंभीर संकट बताते हुए, मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को भोपाल में आयोजित क्षेत्रीय नीति संवाद- जलवायु परिवर्तन और इसका कृषि पर प्रभाव विषयक कार्यक्रम में जलवायु चेतना और सामूहिक प्रयासों को गति देने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का उल्लेख करते हुए कहा, जलवायु की चुनौतियाँ हम सभी के सामने हैं और इसमें हर व्यक्ति की भूमिका है। अब समय है कि हम सभी मिलकर निर्णायक कदम उठाएं। इंडियाएग्री में स्थिरता मायने रखती है और सॉलिडारिडाड के सहयोग से आयोजित इस संवाद में कृषि वैज्ञानिकों, नीति विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और किसानों ने हिस्सा लिया। सभी का उद्देश्य था—जलवायु के अनुकूल कृषि की दिशा में सामूहिक और वैज्ञानिक समाधान खोजने का प्रयास करना। सारंग ने यह भी आश्वस्त किया कि इस तरह के संवादों को राज्य सरकार पूरा समर्थन देगी ताकि व्यावहारिक समाधान सामने आएं। सोलीड्रदडेड के जनरल मैनेजर डॉ. सुरेश मोटवानी ने जलवायु-संवेदनशील कृषि और बदलते मौसम में अनुकूलन विषय पर सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा, सच्ची जलवायु लचीलापन खेत स्तर से शुरू होती है, लेकिन इसके लिए नवाचार और समेकित नीति समर्थन भी जरूरी है। अब कृषि केवल उत्पादन नहीं, बल्कि आजीविका, पारिस्थितिकी तंत्र और खाद्य सुरक्षा की रक्षा का माध्यम भी है।

टाटा मोटर्स और वर्टेलो ने इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों के लिए आकर्षक लीजिंग

समाधान पेश करने के लिए किया एमओयू

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनीटाटा मोटर्सने विशेष इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान प्रदातावर्टेलोके साथ एकसमझौता ज्ञापन (एमओयू)पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य देशभर में ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों को और अधिक सुलभ बनाना है। इस साझेदारी के तहत, वर्टेलो फ्लीट मालिकों को कस्टमाइज्ड लीजिंग समाधान देगा, जिससे वे बिना रुकावट इलेक्ट्रिक और स्थायी परिवहन की ओर बढ़ सकें। यह समाधान टाटा मोटर्स के पूरे इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो पर लागू होंगे। इस साझेदारी की घोषणा करते हुएटाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड - ट्रक्स, श्री राजेश कौलने कहा,टाटा मोटर्स का उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सभी के लिए सुलभ बनाना है। वर्टेलो के साथ यह सहयोग हमारे आधुनिक

इलेक्ट्रिक वाहनों को ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचाएगा। इससे न केवल पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को अपनाने की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि देश में एक मजबूत ईवी ईकोसिस्टम को भी मजबूती मिलेगी।

वर्टेलो के सीईओ श्री संदीप गंभीरने कहा,हम टाटा मोटर्स के साथ साझेदारी करके बसों, ट्रकों और मिनी ट्रकों जैसी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को तेजी से अपनाने में सहयोग कर रहे हैं। यह सहयोग विशेष लीजिंग समाधानों और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देगा, जिससे कमर्शियल वाहन ऑपरेटरों के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एक स्वाभाविक विकल्प बन सकेगा। यह साझेदारी बड़े पैमाने पर पर्यावरण-अनुकूल समाधान तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में क्रेनबेरी का शौकः विदेशी आयात से लेकर दैनिक सुपरफ्रूट तक का सफर

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेनबेरी, जो कभी पश्चिमी देशों का फल माना जाता था, आज भारतीय रसोई, सेहतमंद दिनचर्या और सोशल मीडिया फीड्स का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। विदेशी सेहतमंद फल अब सुपरमार्केट में बहुतायत में मिल रहा है और फ्यूज़न बिरयानी, लड्डू और लस्सी की रेसिपी में शामिल होकर तेजी से भारत का नया सुपरफ्रूट बनता चला जा रहा है। इसबी बढ़ती लोकप्रियता को आँकड़े प्रमाणित करते हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ कमर्शियल इंटैलिजेंस एंड स्टेटिस्टिक्स (डीजीसीआईएस) के मुताबिक भारत में क्रेनबेरी का आयात पिछले दो वित्तवर्षों में 52.28 प्रतिशत बढ़ा, और वित्तवर्ष 2021-22 में 2080 मीट्रिक टन से बढ़कर वित्तवर्ष 2023-24 में 3166 मीट्रिक टन तक पहुँच गया। अमेरिका की क्रेनबेरी में यह वृद्धि और भी ज्यादा है। इसका निर्यात समान अवधि में 61.85 प्रतिशत बढ़ा। इसलिए भारत में क्रेनबेरी के बढ़ते आयात में सबसे बड़ा योगदान अमेरिका दे रहा है।

इस वृद्धि में द क्रेनबेरी इंस्टीट्यूट द्वारा केंद्रित और रणनीतिक बढ़ावे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह संस्था विश्व में अमेरिकी क्रेनबेरी उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करती है। इस संस्था ने व्यापारिक सहयोग, फूड फेस्टिवल, इन्फ्लुएंसर्स के साथ साझेदारी और शेफ्स द्वारा इनोवेशंस की मदद से एक गतिशील दृष्टिकोण अपनाया और क्रेनबेरी को कभी-कभी लिए जाने वाले फल की जगह दैनिक उपयोग के एक महत्वपूर्ण आहार के रूप में स्थापित किया।

श्री सुमित सरन, इन-कंट्री मार्केटिंग रिप्रेज़ेंटेटिव, द क्रेनबेरी इंस्टीट्यूट ने कहा, ''भारत अमेरिका की क्रेनबेरी के लिए एक विकासशील बाजार है। भारत में ड्राइड क्रेनबेरी और क्रेनबेरी ज्यूस की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है क्योंकि भारतीय ग्राहकों को इस बेहतरीन फल के फायदे पता चल रहे हैं। ड्राइड क्रेनबेरी को किसी भी समय स्नैक के रूप में खाया जा सकता है। यह कई पश्चिमी और एथनिक व्यंजनों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अमेरिका की क्रेनबेरी रिटेल ड्राई फ्रूट विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर आसानी से उपलब्ध हैं।

विकसित भारत 2047 की कल्पना में ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल समानता को बनाना होगा केंद्रबिंदु

बिमटेक के राष्ट्रीय सेमिनार में विशेषज्ञों की राय

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। विकसित भारत2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी ने एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जिसका विषय था- डिजिटल समावेशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना- एनजीओ की भूमिका। यह कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से आयोजित किया गया।

इस सेमिनार में विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, विकास क्षेत्र के पेशेवरों और जमीनी स्तर के सामाजिक परिवर्तनकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि किस प्रकार डिजिटल समानता ग्रामीण भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण को गति दे सकती है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरणादायक उद्घाटन भाषणों के साथ हुई, जिनमें डॉ. नीलम गुप्ता (अध्यक्ष एवं सीइओ, आरोह फाउंडेशन) और श्री मधुबन पांडे (सह-संस्थापक एवं सीइओ, स्कोर लाइवलीहुड फाउंडेशन) ने अपने विचार साझा किए। मुख्य भाषण में ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल इक्विटी का महत्व, वर्तमान सरकारी पहल और नीतियाँ, तथा डिजिटल समावेशन के सूत्रधार के रूप में एनजीओ जैसे विषय शामिल थे।

बिमटेक की निदेशक डॉ. प्रवीणा राजीव ने कहा डिजिटल समावेशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना सिर्फ एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। जैसे-जैसे हम विकसित भारत2047 की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे।

एचडीएफसी बैंक ने भारत के बढ़ते एमएसएमई उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए बिज़+ करंट एकाउंट्स लॉन्च किए

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने चालू खाता जमा में अपने नए बिज़+ करंट एकाउंट्स के लॉन्च की घोषणा की है। यह भारतीय व्यवसायों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए चालू खाता पेशकशों के एक नई पहल है। खातों की इस रेंज का उद्देश्य पहले दिन से ही पूरे बैंक को ग्राहक तक लाकर व्यवसायों को सशक्त बनाना है। प्रत्येक बिज़+ चालू खाता नकद प्रबंधन सेवाओं, सहज डिजिटल बैंकिंग प्लेटफ़ॉर्म और समर्पित बैंक/रिलेशनशिप मैनेजर सहायता सहित मुख्य लाभों से सुसज्जित है, साथ ही ऐसे बंडल समाधान भी हैं जो व्यवसायों की बैंकिंग आवश्यकताओं की पूरी श्रृंखला को संबोधित करते हैं। नए बैंक चालू खाता ग्राहकों के लिए नई पेशकश का एक प्रमुख आकर्षण पहले वर्ष के लिए पहले दिन से ही व्यापक व्यवसाय और भुगतान सुरक्षा बीमा कवरेज को शामिल करना है।

ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल भोपाल ने होशंगाबाद कैंपस में शानदार सीबीएसई ग्रेड 10 के नतीजों का जश्न मनाया

भोपाल। भारत की अग्रणी के12 स्कूल श्रृंखलाओं में से एक, ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल ने सीबीएसई ग्रेड 10 बोर्ड परीक्षाओं में अपने शानदार प्रदर्शन के साथ एक बार फिर एक बेंचमार्क स्थापित किया है। ग्रेड 10 में, शीर्ष सम्मान प्राप्त किया गया चिन्मय चौधरी (91.8प्रतिशत), ओमेंद्र चंदेल (90.6प्रतिशत), और प्रीति धाकड़ (90.2प्रतिशत) होशंगाबाद परिसर से. ये छात्र अनुकरणीय शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए ऑर्किड भोपाल से शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरे हैं। उपलब्धियों के बारे में बताते हुए स्कूल टॉपर मो चिन्मय चौधरी से कक्षा 10, ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, होशंगाबाद कैंपस, ने कहा पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों को हल करने से मुझे परीक्षा पैटर्न और समय प्रबंधन पर स्पष्टता मिली। मैं विशेष रूप से अपने स्कूल के अंग्रेजी शिक्षक का आभारी हूं जिन्होंने हमारे लिए अतिरिक्त अभ्यास सामग्री तैयार की, और मेरे माता-पिता का जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मैं अपने सुबह के पुनरीक्षण सत्र को कभी न चूकूं - जो मेरे दिन का सबसे उत्पादक हिस्सा है।

सुमित वुड्स ने भांडुप वेस्ट के बड़े प्रोजेक्ट के साथ मुंबई में अपनी मौजूदगी बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी। सुमित वुड्स लिमिटेड जो मुंबई में 39 वर्षों से अधिक अनुभव के साथ एक प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी है, को स्टेशन प्लाज़ा प्रिमाइसेस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (कंजूर विलेज, भांडुप स्टेशन रोड, भांडुप (पश्चिम), मुंबई - 400078) के पुनर्विकास के लिए डेवलपर के रूप में नियुक्त किया गया है। यह रणनीतिक पुनर्विकास परियोजना लगभग 6.50 लाख वर्ग फुट के कुल क्षेत्र में फैली हुई है और इससे अनुमानित 2.00 लाख वर्ग फुट विक्रय योग्य कार्पेट एरिया तैयार होगा, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य 700 करोड़ है।

सामंथा ने अपने मुश्किल वक्त को किया याद

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। वो अपने तलाक से लेकर अपने स्वास्थ्य तक पर खुलकर बोलती हैं। अब अभिनत्री ने अपने उन दिनों को याद किया जब कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जा रहा था और वो काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें सबसे बुरे ख्याल आते थे। फिर कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला, इसके बारे में भी उन्होंने बात की।

'एक साल काफी कठिन था'

हाल ही में गलाटा प्लस के साथ बातचीत में सामंथा ने अपने परेशान करने वाले दौर का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं वाकई में उस मोड़ पर पहुंच गई थी, जहां मैंने सोचा था कि बस मैं अब और नहीं कर सकती। मेरे मन में सबसे बुरे विचार आए। जाहिर है कि मुझमें आगे बढ़ने और ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। यह एक साल तक कठिन था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो काम कर रहा था, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था।

'मुझे मुश्किलों ने बहुत कुछ सिखाया'

सामंथा ने इन विचारों पर काम न करने और उनसे निपटने के लिए क्या किया और कैसे इनसे पीछा छुटाया, इसको लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि इन विचारों पर काम करने के लिए आपके पास बहुत हिम्मत होनी चाहिए। इसलिए मैंने सोचा मुझे किसी तरह इस सबसे बचने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही अपने जीवन में और चीजों के बारे में सोचना शुरू करना होगा। अब, जब लोग कहते हैं कि वे कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो मैं वास्तव में उन्हें इससे गुजरने के लिए कहती हूं। इससे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मुझे मेरी सफलता ने नहीं है, बल्कि मेरी असफलताओं और कठिनाइयों ने सिखाया है।

सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म हुई रिलीज

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेल- हनी बनी' में देखा गया था। इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'सुभम' बनाई है। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

ज़ायद खान की ओटीटी मूवी द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ में 22 कैमियो और एक धमाकेदार डेब्यू होने का वादा

बॉलीवुड अभिनेता ज़ायद खान अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मोहित श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म अपने अनोखे विज़न और अभूतपूर्व हास्य की गारंटी के चलते पहले से ही चर्चा में है। फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो होने की चर्चाओं ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जो ज़ायद को उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग भूमिका में देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' की खासियत सिर्फ इसके सितारों से सजी कास्ट में ही नहीं है, बल्कि इसके चारों ओर फैले रहस्य में भी है। फिल्म के बारे में जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी जा रही हैं, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। ज़ायद ने खुद इशारा किया है कि उनका किरदार, इस फिल्म में जिसे शॉर्ट में TFTNW कहा जा रहा है, उनके लिए पूरी तरह नया और चुनौतीपूर्ण है। इससे साफ होता है कि फिल्म में उनका रूपांतरण कुछ ऐसा होगा जिसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म सिर्फ एक हास्य फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी प्रतीत हो रही है, जो दर्शकों के दिल को भी छू सकती है।

मां श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर बोलीं पलक तिवारी

'किसी का भाई किसी की जान', 'द भूतनी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने बातचीत के दौरान अपनी मां, टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर अपनी राय रखी। अभिनेत्री का मानना है कि उनसे तुलना करना सही नहीं है। पलक ने मां से तुलना किए जाने पर कहा कि उनकी मां का करियर शानदार और सफल रहा है, जबकि वह अभी शुरुआती दौर में हैं। ऐसे में तुलना करना गलत है। बिजली-बिजली गर्ल के नाम से मशहूर पलक अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं। खुद को अपनी मां की तरह ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ दर्शकों के सामने पेश करना चाहती हैं।

अभिनेत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने अपनी जिंदगी में जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से की जाए - यह सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं। अगर मैं दर्शकों से उनके जितना जुड़ पाती हूं, तो मैं खुद को सफल मानूंगी।

मनोरंजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही गुड्डू धनोआ के निर्देशन में तैयार रोमियो एस 3 में नजर आएंगी। एक्शन-ड्रामा की शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, रोमियो एस 3 मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। गुड्डू सर ने मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का जो अवसर दिया, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। शूटिंग के दौरान मुझे यही लगता था कि मुझे अपना

बेस्ट देना है। उन्होंने बड़े स्टार्स के साथ काम किया है और वह बेहतरीन निर्देशक हैं। उनके साथ काम करना सम्मान की बात है। पलक ने आगे बताया, एक्शन फिल्में मजेदार होती हैं और इसे दर्शक काफी पसंद करते हैं। फिल्म में काम करना मेरे लिए रोमांचक रहा। रोमियो एस 3 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, ठाकुर अनूप सिंह पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखेंगे।

जय हनुमान से जुड़े भूषण कुमार, नॉर्थ इंडिया में प्रेजेंट करेंगे ऋषभ शेट्टी की अगली फिल्म

'कांतारा' स्टार ऋषभ शेट्टी अब एक और ऐतिहासिक व पौराणिक फिल्म 'जय हनुमान' लेकर आ रहे हैं। 'हनु मान' को बनाने वाले प्रशांत वर्मा इस फिल्म का निर्देशन करेंगे और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। अब ताजा जानकारी ये है कि टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार इस फिल्म को प्रेजेंट करेंगे।

भूषण कुमार के मैत्री मूवी मेकर्स के साथ जुड़ने से यह एक बड़ा कोलैबरेशन हो गया है। दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्सुक हैं। इस नए कोलैबरेशन के बारे में बात करते हुए भूषण कुमार ने कहा, जय हनुमान के साथ हम बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक रूप से जुड़ी इस कहानी कहने में आगे बढ़ रहे हैं। मैत्री मूवी मेकर्स के साथ सहयोग करते हुए हम एक ऐसी फिल्म पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो भारतीय सिनेमा और भक्ति का उत्सव है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी का अभिनय इसे और खास बनाता है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने कहा, हमें हर जगह के दर्शकों के लिए 'जय हनुमान' लाने पर गर्व है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो हमारे दिल के करीब है। हम फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी को शामिल करके खुश हैं। टी-सीरीज के साथ जुड़ने से हम काफी उत्साहित हैं और फिल्म को और भी बड़े स्तर पर बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रशांत वर्मा का ड्रीम प्रोजेक्ट है 'जय हनुमान'

निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'जय हनुमान' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। जो पौराणिक कथाओं को आधुनिक फिल्म निर्माण की तकनीकों से साथ जोड़ता है।

सलमान खान की ये नई फिल्म डिब्बा बंद, साजिद नाडियाडवाला की 'किक 2' भी हाशिये पर

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य तनाव में युद्ध विराम के एलान के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जो कुछ लिखा, और, उसके खिलाफ उनको जिस तरह का विरोध झेलना पड़ा, उसने हिंदी फिल्म जगत को चौंका दिया है। नतीजा ये हुआ है कि सलमान की भारत-चीन सैन्य तनाव पर प्रस्तावित फिल्म के लिए कोई भी फिल्म निर्माता तैयार नहीं हो रहा है। इससे पहले निर्देशक कबीर खान सलमान खान की तमाम ख्वाहिशों के बावजूद 'बजरंगी भाईजान' की सीक्वल शुरू करने से मना कर चुके हैं।

सलमान खान का हिंदी फिल्म दर्शकों में कभी जबर्दस्त क्रेज रहा है और उनकी औसत फिल्मों को भी ईद पर मिलने वाली बड़ी सफलता इसका गवाह रही हैं, लेकिन अब मौसम बदल रहा है। निर्माताओं ने भी अपनी कुर्सी की पेटियां कस ली हैं और वह अब ऐसी किसी फिल्म के साथ आगे नहीं बढ़ने की सोच रहे हैं, जिसमें सलमान खान का सोलो लीड रोल हो। हाल ही में गलवान घाटी की घटना पर एक फिल्म शुरू होने की बातें इंटरनेट पर खूब हुई। लेकिन, इस फिल्म के सामने भी संकट गहरा रहा है।

निर्देशक अपूर्व लखिया के निर्देशन में प्रस्तावित गलवान घाटी वाली फिल्म का मामला अब ठंडा पड़ता नजर आ रहा है। इस फिल्म के चलते सलमान खान का फौजी की ड्रेस में एआई से बना एक पोस्टर भी खूब वायरल हुआ लेकिन ये फिल्म अब तक शुरू नहीं हो सकी है। सलमान के करीबी सूत्र बताते हैं कि इस फिल्म के लिए अब तक कोई प्रोड्यूसर ही तैयार नहीं हुआ है। वहीं, सलमान खान की राजश्री फिल्म्स के साथ लंबे अरसे से प्रस्तावित अगली फिल्म पर भी निर्देशक सूरज बड़जात्या ने फैसला फिलहाल टाल दिया है।

सलमान खान की संजय दत्त के साथ बन रही एक फिल्म के भी हाशिये पर चले जाने की खबरें हैं और ले देकर अब इस समय सलमान खान के पास सिर्फ एक ही पूर्व घोषित फिल्म है, 'टाइगर वर्सेस पठान', जिस पर इसके आदित्य चोपड़ा ने कैंसिल का निशान तो नहीं लगाया है, पर ये कब शुरू होगी, इसकी तारीख भी नहीं बताई है। सलमान खान की पिछली दोनों फिल्में 'टाइगर 3' और 'सिकंदर' काफी बड़े बजट की फिल्में रही हैं और दोनों फिल्में टिकट खिड़की पर सफल नहीं रहीं। बताते हैं कि यही वजह है कि निर्माता साजिद नाडियाडवाला सलमान के साथ प्रस्तावित अपनी अगली फिल्म 'किक 2' पर अब बात भी नहीं करते, वहीं यशराज फिल्म्स से जुड़े लोग ये भी शंका जाहिर करने लगे हैं कि शायद अब 'टाइगर वर्सेज पठान' बने ही नहीं। सलमान खान को लेकर कुछ निर्देशकों ने लीड कैरेक्टर रोल जैसी फिल्में भी तैयार की हैं लेकिन वह हीरोइन के साथ गानों का मोह छोड़ 'इक्कलाइजर' या 'टेकेन' सीरीज जैसी कोई फिल्म करेंगे भी कि नहीं, इसे लेकर निर्देशकों में अभी उहापोह जारी है।

दिल रो रहा था, पर सेट पर जश्न मना रही थी, नानी को खोकर टूट चुकी थी

टीवी शो मन की आवाज़ प्रतिज्ञा से छोटे पर्दे पर बड़ी पहचान बनाने वाली ऐक्ट्रेस पूजा गौर ने फिल्म केदारनाथ से बड़े पर्दे पर बड़ी छलांग लगाई। वहीं, ओटीटी पर वह गन्स ऐंड गुलाब्स और आईसी 814: द कंधार हाइजैक जैसी चर्चित वेब सीरीज में अहम किरदारों में दिखीं। इन दिनों सीरीज अदृश्यम 2 में साहसी एजेंट दुर्गा के रूप में चर्चा बटोर रहीं पूजा से खास बातचीत

आपने टीवी से फिल्मों और ओटीटी की ओर बड़ी सफलतापूर्वक ट्रांजिशन किया। यह कितना मुश्किल या आसान था?

ये यह नहीं कहूंगी कि यह बहुत आसान था। चुनौतियां काफी थीं, क्योंकि यहां कभी आपको वजह नहीं पता चलती कि फलां रोल आपको क्यों नहीं मिला? कोई आपको मुंह पर नहीं बोलता। पहले शायद ऐसा होता कि टीवी में काम करने की वजह से फिल्मों में रोल ना मिलते हों, मगर अब चीजें बहुत बदल गई हैं। अब फिल्ममेकर्स अच्छे ऐक्टर्स का स्वागत कर रहे हैं। अब टीवी ऐक्टर, फिल्म ऐक्टर जैसा कुछ नहीं रहा। अब सभी को अच्छा ऐक्टर चाहिए, तो मेरा लक्ष्य ये रहता है कि मैं जो करूं, उसे और बेहतर करती रहूं। बाकी, क्यों, क्या, कैसे?, कौन क्या कह रहा है, उसे दिमाग में नहीं रखती।

प्रतिज्ञा हो या एजेंट दुर्गा, आपने पर्दे पर ज्यादातर सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं। क्या इसके पीछे औरों को इंस्पायर करने की सोच रहती है?

मैंने कभी ये सोचा नहीं कि मुझे स्ट्रॉन्ग औरत या दूसरों को प्रेरित करने वाला किरदार ही करना है। यह मेरी किस्मत है कि मेरी झोली में ऐसे ही किरदार गिरे। शायद निर्माताओं को मुझमें वह खूबी दिखती हैं कि मैं इन सशक्त किरदारों के साथ न्याय कर सकती हूं और इसके लिए मैं ऊपर वाले का शुक्रिया करती हूं। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि मुझे इतने अच्छे किरदार मिले जो खुद मुझे बहुत इंस्पायर करते हैं। दूसरों की बात तो बाद में आती है, मैं खुद अपनी जिंदगी में इन किरदारों से काफी सीख लेती हूं। जैसे, दुर्गा से भी मैंने काफी सीखा। एक सबसे अहम चीज जो मैंने सीखी, वह यह कि अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ के बीच कैसे तालमेल बिठाना है। अपनी भावनाओं को कैसे कंट्रोल करना है कि आपके अंदर जो भी चल रहा हो, उसे अपने कर्तव्य के बीच में नहीं ला सकते।

कर्तव्य के बीच में निजी मुश्किलों को ना आने देना यानी द शो मस्ट गो ऑन वाली स्थिति तो कलाकारों की जिंदगी का भी अहम हिस्सा है। आपके साथ कभी ऐसा कुछ हुआ है?

जी, बिल्कुल हुआ है। जब मेरा शो प्रतिज्ञा चल रहा था, तब मेरी नानी जी की तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। मैं उनके बहुत ही ज्यादा क्लोज थी, मगर जब मुझे खबर मिली कि वह नहीं रही, उस वक्त हमारा बैक टू बैक शूट चल रहा था। हालत ऐसी थी कि हम दिन भर शूट करते थे और रात में टेलिकास्ट होता था, तो नानी के गुजरने की खबर सुनकर भी मुझे शूट करते रहना पड़ा। जबकि मेरा दिल रो रहा था। आज भी मुझे उनकी उतनी ही याद आती हैं, तो उस वक्त तो मैं टूट चुकी थी, पर हमारा टेलीकास्ट था। यही नहीं, इत्तेफाक से वे सीन बहुत पॉजिटिव, जश्न और खुशी के सीन थे तो अंदर की भावनाओं को दबाकर, एक मुखौटा लगाकर वो सीन करना मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था।

आपने पहले किक बॉक्सिंग सीखी थी, एक एजेंट का रोल करते हुए वह ट्रेनिंग कितनी काम आई?

असल में मैंने किक बॉक्सिंग फिजिकल फिटनेस के लिए सीखी थी, क्योंकि मैं सिर्फ जिम नहीं जाना चाहती थी। मुझे कोई नया स्किल सीखना था और मुझे लगा कि किक बॉक्सिंग में मजा आएगा। इसलिए, मैंने कुछ टाइम के लिए वो सीखा। निश्चित तौर पर इस शो में उसका फायदा मिला, क्योंकि उसमें कॉम्बैट की कुछ तकनीक सिखाई जाती है। हालांकि, मैंने बहुत बेसिक सीखा था, मगर वह इस शो का हिस्सा बनने के लिए आधार बना, क्योंकि इस किरदार की तैयारी के लिए भी मैंने कॉम्बैट तकनीक सीखी, चाहे वो हैंड टू हैंड कॉम्बैट हो या बंदूक कैसे पकड़ना है जैसी चीजें, ये चीजें निश्चित तौर पर वह ट्रेनिंग काम आई।

केदारनाथ में सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव कैसा रहा था?

सुशांत कमाल का ऐक्टर था। हमने अपना करियर साथ में शुरू किया था। हमने लगभग एक समय में अलग-अलग प्रॉजेक्ट में अपने करियर की शुरुआत की थी, तो मैं केदारनाथ से पहले से उसे जानती थी। उसमें बहुत सारी खूबियां थीं। अपने किरदार में ढल जाना, जुनूनी, वह अपनी बेहतरीन और अपनी तरह के अनूठे थे।

- साभा

टेस्ट कप्तानी की रेस में राहुल का नाम

नईदिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप की कमी हो गई। रोहित 4 साल से कप्तान थे, वहीं कोहली की कप्तानी में टीम ने 8 साल तक विदेश में 15 टेस्ट जीते। जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ही टीम के सीनियर प्लेयर बचे। राहुल और बुमराह को कप्तानी का अनुभव है। वहीं युवा शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं।

बुमराह बड़े दावेदार, फिटनेस परेशानी

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2 टेस्ट में कप्तानी की। पर्थ में टीम को जीत मिली, लेकिन सिडनी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया। मुकाबले की पहली पारी में ही बुमराह इंजर्ड हो गए, उन्हें बैक स्पास्म की शिकायत हुई। जिसके बाद वह मैच में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके, इस कारण भारत दूसरी पारी में दबाव भी नहीं बना सका।बुमराह अक्सर फिटनेस से जूझते नजर आए हैं, 2022 में आखिरी बार इंजर्ड होने के बाद वह करीब 15 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्हें लंबी टेस्ट सीरीज के दौरान 1-2 मैच का रेस्ट देना भी जरूरी होता है। भारत में तो जीतने के लिए बुमराह का सभी मैच खेलना जरूरी भी नहीं। इसलिए उनका परमानेंट कप्तान बनना मुश्किल है।फिर भी अगर बुमराह कप्तान बने तो टीम को 1 या 2 उप कप्तान बनाने होंगे, जो बुमराह की गैरमौजूदगी में जिम्मेदारी संभालते रहें। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह ने फिटनेस का हवाला देते हुए कप्तानी करने से मना कर दिया है। उनका इंग्लैंड में सभी मैच खेलना भी मुश्किल है।

फिटनेस की वजह से पिछड़ सकते हैं बुमराह, युवा शुभमन और पंत भी दावेदार

ऋषभ पंत इंग्लैंड में सेंचुरी लगा चुके

भारत की मौजूदा टीम में कुछ ही प्लेयर्स ऐसे हैं, जिनकी प्लेइंग-11 में जगह खतरे में नहीं दिखती। ऋषभ पंत उनमें से एक हैं। पंत पिछले 6 साल में दुनिया के बेस्ट विकेटकीपर बैटर बन चुके हैं। वे इस फॉर्मेट में कई मैच विनिंग पारियां खेल चुके हैं। पंत ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय विकेटकीपर भी हैं।पंत को कप्तान बनाना थोड़ा रिस्की हो सकता है, क्योंकि उनकी बैटिंग भी बहुत रिस्की रहती है। मैनेजमेंट अगर उन्हें कप्तान बनाए तो टीम को उनकी बैटिंग की तरह ही कप्तानी में भी चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पंत ने किसी भी फॉर्मेट में भारत की कप्तानी नहीं की। हालांकि, उन्हें आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव जरूर है।

शुभमन कप्तानी की रेस में सबसे आगे

शुभमन कप्तानी की रेस बुमराह के बाद सबसे आगे चल रहे हैं। वे वनडे और टी-20 में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। युवा बैटर्स में यशस्वी, पंत और शुभमन ही फिलहाल परमानेंट नजर आते हैं। शुभमन 25 साल के हैं और लगभग इसी उम्र में विराट ने भी कप्तानी संभाल ली थी।अगर शुभमन अभी कप्तान नहीं भी बने तो टीम उन्हें उप कप्तान बनाकर आगे के लिए तैयार कर सकती है।

आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले तिरुपति मंदिर पहुंचे संजीव गोयनका, मांगीं मन्नतें

तिरुमाला (आंध्र प्रदेश) (एजेंसी)। आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप के चेयरमैन और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल टीम के मालिक संजीव गोयनका और उनके परिवार ने तिरुपति तिरुमाला मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर, जो भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, भारत के सबसे अधिक दर्शन किए जाने वाले धार्मिक स्थलों में से एक है, जो हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करता है।

संजीव गोयनका और उनके परिवार का मंदिर दर्शन भारतीय प्रीमियर लीग के इस सीजन के फिर से शुरू होने से एक दिन पहले हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले गुरुवार को, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव को चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष सीजन से बाहर कर दिया गया। आईपीएल ने एक बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। 22 वर्षीय यादव को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओराउरके ने रिप्लेस किया है। उन्हें पीठ की चोट है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थिति

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) वर्तमान में आईपीएल 2025 अंक तालिका में 7वें स्थान पर है, उनके पास 11 मैचों में 10 अंक हैं।उनकी नेट रन रेट (एनआरआर) -0.469 है। एलएसजी ने 14 लीग मैचों में से 5 जीते और 6 हारे हैं। प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएं कम हैं, क्योंकि शीर्ष चार टीमें (गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स, और मुंबई इंडियंस) के पास 14 से 16 अंक हैं। लखनऊ को अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

मयंक यादव साल में तीसरी बार चोटिल, आईपीएल से हुए बाहर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (पूर्व में एनसीए) को उस समय शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब भारत के उभरते तेज गेंदबाज मयंक यादव को पीठ की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर होना पड़ा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने घोषणा की कि मयंक की जगह न्यूजीलैंड के विलियम ओ'राउरके शेष टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल होंगे। मयंक ने छह महीने के 'रिहैबिलिटेशन' के बाद वापसी की थी, लेकिन दो मैचों में 8 ओवरों में 100 रन देकर केवल 2 विकेट ले सके। उनकी गेंदबाजी की गति में 15 किमी प्रति घंटे की कमी देखी गई और उनके गेंदबाजी एक्शन में भी बदलाव नजर आया। रिकॉर्ड के अनुसार, मयंक ने 30 मार्च 2024 से 4 मई 2025 के बीच 9 टी20 मैच खेले, जिसमें पिछले साल लखनऊ के लिए 4 मैच शामिल थे, जहां उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सुर्खियां बटोरी थीं।

आईसीसी के फैसले से टीम इंडिया की बल्ले-बल्ले, डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद मिलेगा मोटा पैसा

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में एक महीने से कम समय में होगा। आईसीसी ने पुष्टि की कि विजेता को 3.6 मिलियन डॉलर (लगभग 30.79 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जो पिछले संस्करणों (2021 और 2023) के 1.6 मिलियन डॉलर से दोगुना है। कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन डॉलर है, जो पहले के चक्रों से अधिक है। उपविजेता को 2.16 मिलियन डॉलर (लगभग 18.48 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो पिछले 0.8 मिलियन डॉलर से काफी ज्यादा है। तीसरे स्थान पर रही भारत को 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि इस चक्र में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन और फाइनल में दो मजबूत टीमों का मुकाबला क्रिकेट का उत्सव है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला दुनिया भर के प्रशंसकों को शानदार टेस्ट क्रिकेट का अनुभव देगा। उन्होंने दोनों टीमों को इस ऐतिहासिक मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। दक्षिण अफ्रीका, 2023-25 डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर रही, ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीतकर और भारत के साथ घरेलू ड्रॉ के साथ फाइनल में जगह बनाई। यह उनकी पहली डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने की कोशिश होगी। कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि फाइनल में पहुंचना हमारे लिए बड़ा अवसर है। टेस्ट क्रिकेट के महत्व को समझते हुए, हम लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। 11 जून को होने वाले इस मुकाबले के लिए उत्साह चरम पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 3-1 से हराकर 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में प्रवेश किया। न्यूज़ीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू व विदेशी सीरीज में जीत और पाकिस्तान को 3-0 से रौंदने के साथ उन्होंने अपनी जगह पक्की की। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य टूर्नामेंट के पहले दो बार चैंपियन बनकर इतिहास रचना है। कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी खिताब का बचाव करना गर्व की बात है।

बार्सिलोना 28वीं बार बना ला लीगा चैंपियन, यमल के शानदार गोल से जीती टीम

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेन के स्टार युवा फुटबॉलर लामिन यमल के शानदार गोल की बदौलत बार्सिलोना ने गुरुवार को एस्पेनयॉल को 2-0 से हराकर दो मैच शेष रहते हुए 28वीं बार ला लीगा का खिताब को अपने नाम किया। ला लीग स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग है।

यमल और लोपेज ने दागे गोल

मैच का पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद 17 साल के यमल ने 53वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई और फेरमिन लोपेज ने स्टॉपेज समय (90+5 मिनट) में गोल कर टीम की 2-0 से जीत पक्की कर दी। एफसी बार्सिलोना की यह 36 मैचों में 27वीं जीत है और टीम ने 85 अंक के साथ खिताब पक्का कर लिया। दूसरे स्थान पर काबिज रियल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 78 अंक है और अब उसके लिए बार्सिलोना की बराबरी करना संभव नहीं है।

यमल की शानदार ड्रिब्लिंग

यमल ने एस्पेनयॉल के दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपने चिर-परिचित अंदाज में बायें पैर से गोल पोस्ट कॉर्नर में गेंद को मार कर अपने इस शानदार सत्र को और यादगार बनाया। पिछले साल स्पेन को यूरो कप जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले यमल ने अपनी ड्रिब्लिंग और प्लेमेकिंग की कौशल से सभी को प्रभावित किया और बताया कि क्यों उन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार कहा जाता है। यमल के साथ राफिन्हा, पेड्री जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने इस सत्र में बार्सिलोना के अभियान को यादगार बना दिया।

पेड्री का 200वां मैच बना खास

22 साल के पेड्री का यह बार्सिलोना के लिए 200वां मैच था। एस्पेनयॉल को 80वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लिआंड्रो कैबरेरा को गेंद को लेकर विवाद करते समय यमल के पेट पर गेंद मारने के कारण रेड कार्ड दिखा गया। लोपेज ने स्टॉपेज समय में गोल कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

मेसी ने भी पुरानी टीम को दी बधाई

दिग्गज लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये अपनी पुरानी टीम को चैंपियन बनने की बधाई दी। रियल मैड्रिड ने भी अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी को एक्स पर बधाई दी, जबकि बार्सीलोना के हजारों प्रशंसक शहर के मुख्य क्षेत्र में इस खिताब का जश्न मनाया।

एक कार दुर्घटना के कारण शुरुआती मिनटों में रेफरी ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। यहां के आरसीडीई स्टेडियम के बाहर भीड़ में कार के घुसने ये कई लोग घायल हो गए थे।अधिकारियों ने हालांकि कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसका इस मैच से कोई संबंध नहीं था।

ला लीगा के अन्य मैचों का हाल

अन्य मैचों में चौथे स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने गेटाफे पर 2-0 से जीत हासिल कर चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। तीसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि रियल बेटिस को रेयो वैलेकानो के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद चैंपियंस लीग के क्वालिफिकेशन के लिए पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। टीम 59 अंक के साथ छठे पायदान पर है।

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका

आईपीएल के बाकी बचे मैच खेलने भारत नहीं आएंगे स्टार्क

सिडनी, एजेंसी

मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2025 के बाकी मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने के लिए भारत नहीं लौटेगा। यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए जगह पक्की नहीं की है।

स्टार्क 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लेकर सीजन में अब तक डीसी के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

24 मई को दोबारा खेला जाएगा धर्मशाला में रद्द हुआ मुकाबला

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ डीसी का पिछला मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था, जो अब 24 मई को फिर से खेला जाएगा। बहरहाल, माना जा रहा है कि स्टार्क विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा बनेंगे, जहां गत चैंपियन का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

वहीं, इस बात की अभी भी कोई पुष्टि नहीं हुई है कि फाफ डु प्लेसिस डीसी लौटेंगे या नहीं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने अपनी वापसी की पुष्टि की है, लेकिन केवल बाकी लीग चरण के लिए, जिसके बाद वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए रवाना होंगे। डीसी ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर मुस्तफिजुर रहमान को भी साइन किया है, जो भारत नहीं लौट रहे हैं।

आईपीएल 2025 में मुस्तफिजुर की भागीदारी को लेकर अभी भी थोड़ी अनिश्चितता है, क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि क्रिकेटर ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए संपर्क नहीं किया है। वे अभी यूएई के खिलाफ टी20ई सीरीज खेलने के लिए शारजाह में है।

आईपीएल में अन्य ऑस्ट्रेलियाई लोगों के बारे में बात करते हुए, पैट कमिंस और ट्रैविस हेड दोनों सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़ने के लिए भारत लौट रहे हैं, जो प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हैं और 25 मई को सीजन के लिए अपना अभियान समाप्त करेंगे, जिससे दोनों खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। लीग चरण में डीसी के अभी भी तीन मैच बाकी हैं, और उनका अगला मुकाबला रविवार को गुजरात टाइटन्स से होगा।

शुभमन गिल को अभी समय चाहिए, रविंद्र जडेजा बना सकते हैं कप्तानः अश्विन

चेन्नई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए अपने लंबे समय के स्पिन जोड़ीदार रवींद्र जडेजा का नाम सुझाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर गुरुवार को यह राय जाहिर की।अश्विन ने कप्तानी के दावेदारों पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ स्पष्ट विकल्प हैं, लेकिन मैं रवींद्र जडेजा का नाम भी जोड़ना चाहूंगा। कप्तान या उप-कप्तान की चर्चा से पहले खिलाड़ी का प्लेइंग इलेवन में होना जरूरी है। जडेजा एक स्वाभाविक चयन हैं। उन्होंने आगे कहा कि जडेजा टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अगर नए खिलाड़ी को दो साल तक तैयार कर कप्तान बनाया जा सकता है, तो जडेजा भी दो साल तक यह भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें उप-कप्तान के रूप में भी आजमाया जा सकता है।36 वर्षीय जडेजा ने 80 टेस्ट में 3,370 रन (34.74 की औसत, 4 शतक, 22 अर्धशतक) और 323 विकेट लिए हैं। हालांकि, जडेजा ने भारत के लिए किसी भी प्रारूप में कप्तानी नहीं की है। उन्होंने 2022 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की थी, लेकिन 8 में से केवल 2 मैच जीतने के बाद बीच सीजन में एमएस धोनी को कप्तानी सौंप दी थी।

जॉनसन का बेतुका बयान, विदेशी खिलाड़ियों को शेष मैचों से दूर रहने को कहा

सिडनी, एजेंसी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का एक बेतुका बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों का आईपीएल के शेष मैचों के लिए लौटना बुद्धिमानी भरा फैसला नहीं है। उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों से भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों को लेकर बयान दिया और कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को पैसों से ज्यादा अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष और सीमा पर तनाव के कारण दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को नौ मई को निलंबित कर दिया गया था। इसके निलंबन के एक दिन बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इससे शनिवार से आईपीएल के फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, जॉनसन का मानना है कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए बाकी बचे मैचों में भाग न लेना समझदारी होगी।

उन्होंने वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार के लिए अपने कॉलम में लिखा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खिलाड़ियों को अपने निर्णय लेने का अधिकार दिया है, लेकिन उनके लिए विकल्पों का चयन करना मुश्किल हो सकता है। क्रिकेट में इन दिनों बहुत ज्यादा पैसे खर्च हो रहे हैं, लेकिन यह अब भी एक खेल ही है और इस सप्ताह आईपीएल के बंद होने के बाद इस बात पर काफी ध्यान गया है।

उन्होंने कहा, मुझे अगर यह फैसला करना पड़े कि भारत वापस लौटकर टूर्नामेंट खत्म करूं या नहीं, तो यह एक आसान फैसला होगा। मैं इसका जवाब नहीं में देना पसंद करूंगा। जिंदगी और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, पैसे नहीं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने व्यापक विचार-विमर्श करने और सरकार से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के बाद लीग को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह अब तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, अब तक फाइनल समेत प्लेऑफ के चार मैचों का स्थान तय नहीं किया गया है।

संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक प्लेऑफ में भाग लेने वाले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा।

किसी को वापस जाने के लिए दबाव महसूस नहीं करना चाहिए

जॉनसन ने कहा, यह एक व्यक्तिगत फैसला है। किसी को भी वापस जाने के लिए मजबूर या दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। भले ही आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) इसके लिए कड़ी मेहनत करें। दोनों टूर्नामेंटों को अभी समाप्त कर देना चाहिए या स्थानांतरित करने पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल का जिक्र करते हुए कहा, यह मत भूलिए कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के कुछ खिलाड़ियों को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तैयारी करने की जरूरत होगी। आईपीएल फाइनल अब तीन जून तक टाल दिया गया है, जो लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले है। टेस्ट क्रिकेट के सबसे अहम मैच में से एक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित होना भी एक बड़ा मुद्दा है।

पुतिन से जल्द ही मुलाकात करूंगा : ट्रंप

» अबू धाबी, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह जल्द से जल्द रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी बातचीत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच आमने-सामने की बैठक के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से दिया गया यह सुझाव ऐसे समय आया है जब पुतिन ने शुक्रवार को तुर्किए में रूस और यूक्रेन के बीच होने वाली बातचीत में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। पश्चिम एशिया का चार दिवसीय दौरा कर रहे ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम ऐसा करें। ट्रंप ने दोहराया कि उन्हें इस बात पर आश्चर्य नहीं है कि पुतिन वार्ता में शामिल नहीं हो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पुतिन इसलिए वहां नहीं जाना चाहते हैं क्योंकि वह वहां नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह पुतिन के साथ बैठक करेंगे और जैसे ही हम इसे तय करेंगे यह बैठक होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि उनकी बेटी टिफनी ने हाल ही में अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है।

ट्रंप ने कहा, मैं अपने खूबसूरत नाती को देखना चाहता हूं। ट्रंप की ओर से (यूक्रेन युद्ध का) समाधान खोजने के लिए दबाव डाले जाने पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बातचीत में शामिल होने पर सहमति जताई, लेकिन पुतिन ने जेलेंस्की के साथ आमने-सामने की बातचीत की अपील को ठुकरा दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति दोनों पक्षों (रूस और यूक्रेन) पर युद्ध समाप्त करने के लिए जल्द से जल्द समझौता करने का दबाव डाल रहे हैं। जेलेंस्की ने युद्ध को 30 दिन के लिए रोकने की अमेरिकी योजना पर सहमति जताई है, लेकिन रूस इस पर सहमत नहीं है और

उसने यूक्रेन के अंदर लक्ष्यों पर हमले करना जारी रखा है। इसके बावजूद, रूस और यूक्रेन तीन साल में पहली बार शुक्रवार को इस्तांबुल में सीधी शांति वार्ता करने जा रहे हैं। अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को बेहद कम उम्मीद है कि तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए दोनों पक्ष तत्काल कोई प्रगति करेंगे। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि गतिरोध को समाप्त के लिए उनके और पुतिन के बीच बैठक बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि जब तक वह और मैं साथ नहीं आते, तब तक कुछ होने वाला है, चाहे आपको यह पसंद हो या न हो। लेकिन हमें इसे हल करना होगा, क्योंकि बहुत से लोग मर रहे हैं।

ट्रंप का पश्चिम एशिया का दौरा संपन्न, कारोबारी दिग्गजों से मुलाकात की

अबू धाबी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त अरब अमीरात में कारोबारी दिग्गजों के लिए नाश्ते के आयोजन और अब्राहम समझौते के नाम पर रखे गए एक अंतरधार्मिक पूजा स्थल के दौरे के साथ पश्चिम एशिया के दौरे का समापन किया। समझौते के तहत संयुक्त अरब अमीरात और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य देशों ने इजराइल को मान्यता दी। अब्राहमिक फैमिली हाउस की यात्रा के बाद ट्रंप अबू धाबी से रवाना हुए। क्षेत्र की उनकी यात्रा के दौरान वेस्ट बैंक में हिंसा भड़क उठी, जिसमें गाजा में 120 से अधिक लोग मारे गए। राष्ट्रपति के तौर पद दूसरे कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप अपनी पहली प्रमुख विदेश यात्रा के अंतिम चरण में बृहस्पतिवार को संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे। उनके एयर फोर्स वन विमान की देश के हवाई क्षेत्र में लड़ाकू विमान ने अगुवाई की। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने ट्रंप का स्वागत किया और बाद में वे शेख जायद ग्रैंड मस्जिद गए - जो दुनिया की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक है। उन्होंने अबू धाबी में राष्ट्रपति भवन में आयोजित राजकीय रात्रिभोज में भी भाग लिया। रात्रिभोज के बाद राष्ट्रपति ट्रंप, शेख मोहम्मद के साथ महल से बाहर निकले। उन्होंने हाथ मिलाया और फिर ट्रंप अपनी लिमोजिन में सवार हो चले गए।

ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका की ओर से एक प्रस्ताव दिया गया है : ट्रंप

अबू धाबी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर उसके पास अमेरिका का एक प्रस्ताव है। ट्रंप का बयान ऐसे समय में आया है, जब दोनों देशों के बीच वार्ता जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी पहली बार है जब उन्होंने स्वीकार किया है कि पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची के बीच कई दौर की वार्ता के बाद तेहरान के समक्ष एक अमेरिकी प्रस्ताव पेश किया गया है। बातचीत अब विशेषज्ञ स्तर पर पहुंच गई है, जिसका अर्थ है कि दोनों पक्ष यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या वे किसी संभावित समझौते के विवरण पर सहमति तक पहुंच सकते हैं। ट्रंप ने संयुक्त अरब अमीरात की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद अपने विमान एयर फोर्स वन में यह टिप्पणी की। यूएई, ट्रंप के पश्चिम एशिया के तीन देशों की उनकी यात्रा का अंतिम पड़ाव था। ट्रंप ने कहा, उनके (ईरान) समक्ष एक प्रस्ताव है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें पता है कि उन्हें जल्दी से आगे बढ़ना होगा, अन्यथा कुछ बुरा होने वाला है। ट्रंप ने प्रस्ताव के विवरण के बारे में विस्तार से नहीं बताया। ईरान की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

न्यूयॉर्क स्टेट सीनेट ने भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए प्रस्ताव पारित किया

न्यूयॉर्क। पहली बार न्यूयॉर्क स्टेट सीनेट ने भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसके सम्मान में एक प्रस्ताव को औपचारिक रूप से अंगीकार किया है। न्यूयॉर्क स्टेट सीनेटर जेरेमी कूनी वर्तमान में न्यूयॉर्क स्टेट सीनेट में सेवारत भारतीय मूल के एकमात्र सदस्य हैं और उन्होंने यह ऐतिहासिक प्रस्ताव पेश किया जिसे बुधवार को एक समारोह में अंगीकर किया गया। इस कार्यक्रम में न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत बिनय प्रधान के अलावा भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रमुख सदस्य भी शामिल हुए। कूनी ने कहा, मैं भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ के सम्मान में यह प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, जो भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाने और उन बहादुर भारतीयों को सम्मानित करने के लिए है जिन्होंने अपने साथी देशवासियों की भलाई के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है क्योंकि यह पहली बार है कि भारतीय संविधान के सम्मान में अमेरिका में किसी विधाई निकाय में प्रस्ताव पेश किया गया और उसे अपनाया गया। अतीत में भारत की स्वतंत्रता, गणतंत्र दिवस, प्रमुख त्योहारों और अन्य अवसरों के उपलक्ष्य में कई प्रस्ताव पेश किए गए हैं। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ का जश्नउ न्यूयॉर्क स्टेट सीनेट ने भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सीनेटर जेरेमी कूनी द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव को अंगीकार किया। इसमें कहा गया है, यह प्रस्ताव भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और अमेरिका के साथ स्वतंत्रता, न्याय और समानता की साझा प्रतिबद्धता का जश्न मनाता है। बिनय श्रीकांत भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों के साथ समारोह में शामिल हुए। यह साझा लोकतांत्रिक आदर्शों और सांस्कृतिक संबंधों का उत्सव था।

पाकिस्तान का पानी रोकने के किसी भी प्रयास को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा

पाक विदेश मंत्री डार ने भारत के साथ मुद्दों के समाधान के लिए समग्र वार्ता की वकालत की

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत के साथ विवादास्पद मुद्दों का हल निकालने के लिए उसके साथ समग्र वार्ता की वकालत की है। भारत साफ कर चुका है कि पाकिस्तान से बात होगी तो आतंकवाद के मुद्दे पर और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर ही होगी। डार ने बृहस्पतिवार को सीनेट में कहा, भारत के साथ संघर्ष विराम 18 मई तक बढ़ा दिया गया है, लेकिन दोनों पड़ोसी देशों के बीच समस्याओं के समाधान के लिए अंततः राजनीतिक वार्ता करनी होगी। भारत ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में छह-सात मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था और पाकिस्तान तथा पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा था। भारत की इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों की कोशिश की। दोनों देशों के बीच 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

उप प्रधानमंत्री डार ने कहा, हमने दुनिया को बता दिया है कि हम समग्र वार्ता करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और भारत के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) 18 मई को फिर से संपर्क करेंगे। दोनों

देशों के बीच 2003 में समग्र वार्ता शुरू हुई थी और उस समय जनरल परवेश मुशर्फ पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे। मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमलों के बाद यह बातचीत पटरी से उतर गई और उचित प्रारूप में बहाल नहीं हो सकी। डार ने कहा कि सिंधु जल संधि को गैरकानूनी तरीके से निलंबित करके पाकिस्तान का पानी रोकने के किसी भी प्रयास को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी बृहस्पतिवार को भारत से वार्ता की पेशकश करते हुए कहा था कि पाकिस्तान शांति के लिए बातचीत को तैयार है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री डार ने फर्जी खबर का इस्तेमाल कर वायुसेना की प्रशंसा की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने संसद के ऊपरी सदन सीनेट में अपने देश की वायु सेना की प्रशंसा करने के लिए एक फर्जी खबर का सहारा लिया और इसे एक ब्रिटिश दैनिक की खबर बताया। डार ने फर्जी खबर का हवाला देते हुए सांसदों को बताया कि द डेली टेलीग्राफ ने खबर दी है कि पाकिस्तानी वायुसेना ने आसमान में निर्विवाद बादशाहत कायम की है। उनके दावे की तथ्य-जांच हालांकि डॉन अखबार ने की, जिसने इस खबर को फर्जी करार दिया। अखबार ने कहा, सोशल मीडिया पर कई उपयोगकर्ताओं द्वारा 10 मई, 2025 से एक तस्वीर प्रसारित की जा रही है, जिसमें ब्रिटेन के द डेली टेलीग्राफ अखबार के पहले पृष्ठ पर भारत के साथ हाल में हुए संघर्ष के बीच पाकिस्तान वायु सेना को आसमान का बादशाह घोषित किया गया है। हालांकि, ऐसा कोई लेख प्रकाशित नहीं हुआ है और स्क्रीनशॉट फर्जी है। इसमें कहा गया है कि बैरिस्टर खदीजा सिद्दीकी ने 10 मई को ब्रिटिश दैनिक के नाम से फर्जी खबर की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक समाचार के साथ एक शीर्षक थाः पाकिस्तान वायु सेनाः आसमान की निर्विवाद बादशाह। इस पोस्ट को 66,000 से अधिक लोगों ने देखा। यह तस्वीर 11 मई को खैबर पख्तूनख्वा के लिए प्रधानमंत्री के सूचना समन्वयक इख्तियार वली खान ने भी फेसबुक पर साझा की।

तीन साल में पहली बार शांति वार्ता करेंगे रूस और यूक्रेन

» इस्तांबुल, भाषा।

रूस और यूक्रेन तीन साल में पहली बार शुक्रवार को प्रत्यक्ष रूप से शांति वार्ता करेंगे। दोनों देशों के प्रतिनिधि तुर्किए की मध्यस्थता से हो रही वार्ता के लिए इस्तांबुल में जुट रहे हैं, हालांकि अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को लगता है कि तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने की दिशा में तत्काल कोई प्रगति मुश्किल है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव के नेतृत्व में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी व्लादिमीर मेदिंस्की की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेगा। युद्ध खत्म करने के प्रयास बृहस्पतिवार को उस समय और मुश्किल हो गए।

जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ आमने-सामने मुलाकात का प्रस्ताव ठुकरा दिया। हालांकि पुतिन-जेलेंस्की की संभावित बैठक की उम्मीद पहले से ही कम थी। तीस दिवसीय पूर्ण युद्ध विराम के अमेरिका और यूरोप के प्रस्ताव को यूक्रेन ने स्वीकार कर लिया है, लेकिन पुतिन ने दूरगामी शर्तें लगाकर इसे अस्वीकार कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को पश्चिम एशिया की यात्रा के दौरान कहा था कि गतिरोध को तोड़ने के लिए उनके और पुतिन के बीच बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने शुक्रवार को संभावना जताई कि जल्द ही पुतिन के साथ एक बैठक होगी।

न्यूज ब्रीफ

माउंट एवरेस्ट शिखर से उतरते समय भारतीय पर्वतारोही की मौत

» काठमांडू, भाषा।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के शिखर से उतरते समय ऊंचाई संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होने के बाद एक भारतीय पर्वतारोही की मौत हो गई। शुक्रवार को एक मीडिया रिपोर्ट से ये जानकारी मिली है। हिमालयन टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, मृतक पर्वतारोही की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी सुब्रत घोष (45) के रूप में हुई है। घोष, 8,848.86 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट अभियान के दौरान दम तोड़ने वाले दूसरे विदेशी हैं। खबर के अनुसार, स्नोई होराइजन ट्रेक्स के प्रबंध निदेशक (एमडी) बोधराज भंडारी ने बताया कि घोष की मृत्यु शनिवार को माउंट एवरेस्ट के शिखर बिंदु के पास हिलेरी स्टैप के ठीक नीचे हुई। खबर में कहा गया कि घोष को शिखर पर चढ़ने में देरी हो गई और वह अपने गाइड के साथ अपराह्न करीब दो बजे शिखर पर पहुंचे।

भंडारी ने बताया कि एवरेस्ट से उतरते समय वे थक गए थे और उन्हें ऊंचाई के कारण समस्या होने लगी थी, जिसके कारण अंततः उन्होंने आगे बढ़ने से इंकार कर दिया। भंडारी ने उनके गाइड चंपाल तमांग के हवाले से बताया, घोष ने शिखर से उतरते समय आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि चंपाल कल देर रात कैंप-4 में वापस लौटे और आज सुबह उन्होंने घटना की जानकारी दी। खबर में कहा गया कि घोष, माउंटेनियरिंग एसोसिएशन आफ कृष्णनगर स्नोवी एवरेस्ट एक्पीडिशन 2025 का हिस्सा थे। भंडारी ने बताया कि उनके पार्थिव शरीर को आधार शिविर तक लाने के प्रयास जारी हैं। इससे पहले, फिलीपींस निवासी फिलिप द्वितीय सैंटियागो (45) की 14 मई को शिखर पर चढ़ने की तैयारी करते समय मृत्यु हो गई थी। इस बार अब तक 50 से अधिक पर्वतारोही सफलतापूर्वक शिखर पर पहुंच चुके हैं और पर्वत पर चढ़ने का प्रयास करने के लिए 450 से अधिक पर्वतारोहियों ने अनुमति प्राप्त की है।

पुरुष और महिला के बीच मजबूत संबंधों से बनता है परिवार: पोप

» वेटिकन सिटी, भाषा।

पोप लियो 14वें ने शुक्रवार को कहा कि परिवार पुरुष और महिला के बीच मजबूत संबंध से बनता है तथा अजन्मे और बुजुर्ग सदस्य ईश्वर की रचना के रूप में गरिमापूर्ण जीवन पाने के हकदार हैं। यह लियो 14वें के पोप का पदभार संभालने के शुरूआती समय में ही विवाह और गर्भपात पर उनके स्पष्ट कैथोलिक सिद्धांतों को व्यक्त करता है। प्रथम अमेरिकी पोप लियो ने वेटिकन के राजनयिक प्रतिनिधियों के साथ अपनी पहली बैठक में, विश्व शांति कायम रखने लिए बहुपक्षीय कूटनीति को बहाल करने और धर्मों के बीच संवाद को बढ़ावा देने का आह्वान किया। यह बैठक निजी थी, लेकिन वेटिकन ने लियो और राजनयिक प्रतिनिधियों के डीन द्वारा तैयार किए गए पाठ को जारी किया। लियो ने पोप बनने पर अपनी प्राथमिकता में शांति पर जोर दिया है।

उन्होंने कहा कि शांति केवल संघर्ष की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि एक उपहार है, जिसके लिए काम करने की आवश्यकता होती है, हथियारों के उत्पादन को समाप्त करने से लेकर शब्दों का सावधानीपूर्वक चयन करने तक। उन्होंने कहा, क्योंकि न केवल हथियार, बल्कि शब्द भी घायल कर सकते हैं और यहां तक कि जान ले सकते हैं। पोप ने कहा कि शांतिपूर्ण समाजों का निर्माण करना सरकारों का काम है, खासकर परिवार में निवेश करके, जो एक पुरुष और एक महिला के बीच मजबूत संबंध पर आधारित है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करने के लिए प्रयास करना चाहिए, विशेष रूप से सबसे कमजोर और असुरक्षित, अजन्मे से लेकर बुजुर्गों तक, बीमार से लेकर बेरोजगारों तक, नागरिकों और अप्रवासियों तक। पोप फ्रांसिस ने गर्भपात और यूथेंसिया का विरोध करने वाली मूल कैथोलिक सिद्धांतों का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने एलजीबीटीक्यूप्लस कैथोलिक समुदाय का भी चर्च में स्वागत किया है। यूथेंसिया के तहत, किसी लाइलाज बीमारी से पीड़ित व्यक्ति के जीवन को चिकित्सकीय सहायता से समाप्त कर दिया जाता है।

दुनिया को मिलकर बताएंगे पाकिस्तान का सच

कई दलों के सांसदों को विदेश भेजेगी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच में तनाव तेजी के साथ बढ़ गया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद चार दिनों तक रॉकेट्स और ड्रोन्स की लड़ाई के बाद दोनों देश फिलहाल

सीजफायर पर बने हुए हैं। अब भारत सरकार पाकिस्तान के आतंकवाद समर्थक चेहरे को दुनिया के सामने खुलकर लाने के लिए नए कदम उठाने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार, पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए मल्टी पार्टी डेलीगेशन को विदेश भेजने की तैयारी कर रही है।

द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक विदेशों में भारत की तमाम राजनैतिक पार्टियों के सदस्यों के साथ भेजे जाने वाले इस प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पाकिस्तान से निकलने वाले आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करना है। सूत्रों के मुताबिक सरकार इस मुद्दे को लेकर सभी पार्टियों से बातचीत कर रही है। सरकार का उद्देश्य सीमा पार से आने वाले आतंकवाद पर देश भर की पार्टियों को एक साथ लाने का है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सरकार की तरफ से विदेश जाने वाला यह डेलीगेशन मुख्य तौर पर पांच उद्देश्यों पर अपना एजेंडा सामने रखेगा। पहला उद्देश्य पाकिस्तान की तरफ से आने वाले आतंकवादियों का भारतीय नागरिकों और भारतीय फौज पर हमला करना, जिसकी वजह से ऑपरेशन सिंदूर की आवश्यकता पड़ी। दूसरा उद्देश्य इस बात पर जोर देना कि आतंकवाद के खिलाफ आखिरकार ऑपरेशन सिंदूर जैसी प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता क्यों पड़ी। तीसरा, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बात से अवगत कराना की अगर पाकिस्तान की तरफ से फिर कोई हरकत या आतंकी गतिविधि की जाती है तो भविष्य में भी ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

इसके अलावा चौथा उद्देश्य, दुनिया के सामने इस बात को स्पष्ट तरीके से रखना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान केवल और केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया था। इसका पाँचवाँ उद्देश्य आतंकवाद को बढ़ाना देने में पाकिस्तान की भूमिका पर दुनिया के सामने प्रकाश डालना शामिल होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी पार्टियों के सदस्यों को मिलाकर बनाए जाने वाला यह प्रतिनिधिमंडल विदेशी सरकारों, थिंक टैंकों और मीडिया आउटलेट्स के साथ बातचीत करेगा ताकि पाकिस्तान की धरती से लगातार पैदा हो रहे आतंकवाद को लेकर ऑपरेशन सिंदूर की आवश्यकता पर भारत की सोच को प्रदर्शित किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल की संरचना कैसी होगी इस पर फिलहाल विचार किया जा रहा है। क्योंकि सरकार सीमा पार से आने वाले आतंकवाद को लेकर सभी दलों के दृष्टिकोण को अपनाना चाहती है।

अगर यह प्रतिनिधिमंडल विदेश जाकर सरकार और भारत के पक्ष की बातें रखता है तो इतिहास में यह पहली बार नहीं होगा कि विपक्षी सांसद देश की बात रखने के लिए सरकार के पक्ष में बात करेंगे। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने तत्कालीन विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एक बहुपक्षीय दल को यूएनएचआरसी में भेजा था।

जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य विषय पर आयोजित तीन दिवसीय सागरमाथा संवाद का उद्घाटन सत्र

पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता : नेपाल के प्रधानमंत्री ओली

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक कार्रवाई करने की आवश्यकता है।ओली यहां जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य विषय पर आयोजित तीन दिवसीय सागरमाथा संवाद के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव सहित 350 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हस्तियां उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस बारे में बताने के लिए है कि हिमालय को संरक्षित करने का अर्थ पृथ्वी, महासागरों और मानवता को संरक्षित करना है। ओली ने कहा, हमारे घर भूस्खलन से नष्ट हो रहे हैं।

बाढ़ और सूखा की अप्रत्याशित स्थिति है, फिर भी हम मजबूत बने हुए हैं। हमारा उत्सर्जन कम है और पर्यावरण संरक्षण में हमारा योगदान महत्वपूर्ण है। हमें उम्मीद है कि यह संवाद उच्च स्तर का होगा, जिसमें नैतिक स्पष्टता, मजबूत बौद्धिक साहस और सुंदर भविष्य बनाने के लिए एक दृढ़ एवं साझा दृष्टिकोण होगा। उन्होंने पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। भारत के पर्यावरण मंत्री यादव ने दोनों देशों की अधिक ऊंचाई वाली जैव विविधता और पर्वतीय परिदृश्य के महत्व को ध्यान में रखते हुए हिम तेंदुओं सहित बिल्ली प्रजाति के बड़े जानवरों के संरक्षण के क्षेत्र में नेपाल और भारत के बीच सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया वैश्विक जनसंख्या के लगभग 25 प्रतिशत लोगों का निवास स्थान होने के बावजूद संचई वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में केवल चार प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में जलवायु विशेषज्ञों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं, सरकारी अधिकारियों, राजनयिकों और मीडियाकर्मियों सहित 300 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का समापन रविवार को होगा।

डेंगू दिवस के मौके पर कार्यशाला आयोजित, किया जागरुक

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। डेंगू जैसी जानलेवा बीमारी के लक्षणों और बचाव के प्रति आम जनता को जागरूक करने के लिए हर साल में 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। ऐसे में राजधानी स्थित लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय में डेंगू को लेकर शुक्रवार को एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें मरीज तीमारदार एवं आम जनमानस को डेंगू जैसी जानलेवा बीमारी के लक्षणों के बारे में बताया गया। बता दें कि डेंगू मच्छर के काटने से होने वाली एक ऐसी बीमारी है। जिसका यदि समय पर इलाज नहीं किया गया तो किसी व्यक्ति की जान भी जा सकती है। डेंगू पीड़ित व्यक्ति को आमतौर पर तेज बुखार आता है कई बार बुखार को लोग सामान्य बुखार समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में तीन-चार दिन बीत जाने के बाद डेंगू का यह वायरस जानलेवा रूप लेने लगता है। डेंगू के संबंध में जानकारी

देते हुए लोकबन्धु चिकित्सालय के निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक डा0 संगीता गुप्ता ने बताया कि डेंगू का मच्छर हमेशा ही साफ पानी या साफ स्थानों में पैदा होता है। इस मच्छर की पहचान यह है कि इस मच्छर में सफेद और काली धारियां नजर आती हैं। मुख्यतः बरसात के बाद पनपने वाले इस खतरनाक जानलेवा मच्छर से बचने के कई उपाय हैं। इस बात का ख्याल रखना जरूरी है कि हम अपने घरों में किसी भी स्थान पर पानी जमा न होने दें, यदि कहीं पानी जमा होता है तो वहां तुरंत सफाई कर दें अन्यथा इस पानी मे जानलेवा डेंगू मच्छर अपना लारवा छोड़ सकता है। वही लोकबंधु के चिकित्सा अधीक्षक डा0 अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि अपने घरों के आस-पास अनावश्यक पानी का जमाव-टंकी ड्रम कूलर आदि में नहीं होने देना है एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखना है तथा डेंगू मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी, क्रीम, अगरबत्ती, क्वाइल आदि का उपयोग किया जाना है। संयुक्त निदेशक-डेंगू उ0प्र0 डा0 विकास सिंघल ने बताया कि डेंगू को फैलने से रोका जा सकता है इनसे बचाव ही उपाय है। क्षेत्रीय समन्वयक धर्मेन्द्र त्रिपाठी फैमिली हेल्थ इण्डिया, एम्बेड ने कहा कि मच्छर डेंगू फैलाने के लिए तैयार है, लेकिन क्या हम उनसे बचने के लिए तैयार हैं । उन्होंने बताया कि डेंगू एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। ये मच्छर दिन में काटते हैं। डेंगू से अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा का प्रण लें। वही कैम्प में मच्छर जनित बीमारियों के उन्मूलन के लिए संचालित एम्बेड परियोजना टीम के सदस्य अपने साथ लार्वा भक्षी मछली गम्बूजिया एवं मच्छरों के लार्वा को लाये थें जो डेंगू कैम्प के माध्यम से मरीज तीमारदार एवं आम जनमानस को इस मछली के विषय में बताया कि यह मछली डेंगू मच्छर के लार्वा को अपने भोजन के रूप में उपयोग में लेती है जिससे डेंगू के मच्छरों की संख्या को नियंत्रित करती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,